राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 12 अकं :219 रांची (झारखंड) बुधवार,21 मई 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

भाजपा का तंज, 'राहुल बोल रहे पाकिस्तान की भाषा', 'निशान-ए पाकिस्तान' को लेकर पूछा चुभता सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली । 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कांग्रेस लगातार प्रश्न उठा रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेश मंत्री एस जयशंकर की टिप्पणी को आधार बनाकर सवाल दाग रहे हैं तो कई नेता सबूत की तलाश कर रहे हैं। भाजपा ने मुख्य विपक्षी दल के इस रवैए पर तंज कसा है। असम सरकार के मंत्री अशोक सिंघल के विवादित पोस्ट के बाद पार्टी की मीडिया सेल के प्रभारी अमित मालवीय ने भी कुछ सवाल पूछे हैं। अशोक सिंघल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने राहुल गांधी की तस्वीर को पाक आर्मी चीफ की तस्वीर के साथ जोड़कर शेयर किया। इस तस्वीर के आधे हिस्से में राहुल गांधी का चेहरा और आधे में पाकिस्तान आर्मी चीफ असीम मुनीर का चेहरा लगाया गया है। अशोक सिंघल ने अपने पोस्ट में लिखा, सीमाओं से अलग एजेंडे पर एक।वहीं, भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने भी मंगलवार को सिलसिलेवार तरीके से एक्स पर कुछ पोस्ट डाले। एक कार्टून पोस्ट किया जिसमें पाक जनरल की पीठ पर खड़े होकर एक शख्स सरहद के पार देख गिराए गए रफेल की जानकारी मांग रहा है। इसके साथ ही मालवीय ने एक दूसरी पोस्ट में सिंघल वाली तस्वीर साझा कर लिखा- यह आश्चर्य की बात नहीं है कि राहुल गांधी पाकिस्तान और

उसके हितैषियों की भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को ऑपरेशन सिंदूर के लिए बधाई नहीं दी, जो स्पष्ट रूप से भारत के प्रभुत्व को दर्शाता है। इसके बजाय, वे बार-बार पूछते हैं कि हमने कितने जेट खो दिए- एक सवाल जिसका जवाब पहले ही डीजीएमओ ब्रीफिंग में दे चुके हैं। मजे की बात यह है कि उन्होंने एक बार भी यह नहीं पूछा कि संघर्ष के दौरान कितने पाकिस्तानी जेट मार गिराए गए, या भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर बमबारी के दौरान कितने विमान अपने हैंगर में खड़े रहते हुए नष्ट हो गए। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस से चुभता सवाल पूछा कि क्या अब निशान-ए-पाकिस्तान राहुल गांधी को दिया जाएगा? दरअसल, कांग्रेस ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लगातार सवाल उठा रही है। हाल ही में सांसद राहुल गांधी ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के उस बयान को लेकर सवाल पूछे थे जिसमें विदेश मंत्री यह कह रहे हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत होने वाली एयर स्ट्राइक के बारे में पाकिस्तान को सूचना दी थी। हालांकि, राहुल के इन दावों पर 18 मई को विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दावों का खंडन किया। कांग्रेस नेता ने एक्स पोस्ट पर भी अपनी बात रखी। इसके जवाब में भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने एक वीडियो पोस्ट किया था। राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा, 'राहुल गांधी की मूर्खता महज आकस्मिक नहीं है, यह भयावह है। वह पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं।' मालवीय ने भारत के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई के एक बयान का वीडियो साझा किया। इसके साथ कहा कि वह भारत के लाभ और विपक्ष के नेता की मंशा को उजागर करने के लिए घई के 11 मई के बयान को दोबारा पोस्ट कर रहे हैं।

शहडोल में जंगल में पत्ती तोड़ने गए तीन ग्रामीणों को हाथियों ने कुचला

एजेंसी

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के सनौसी और डोडा जंगल में पत्ती तोड़ने गए तीन ग्रामीणों को जंगली हाथियों ने कुचलकर मार डाला। हादसे के बाद वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। घटना को लेकर क्षेत्र में दशहत का माहौल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाथियों के हमले में तीन ग्रामीणों की मृत्यु पर गहन दुख व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने मृतकों के वैध वारिसों को 25-25 लाख रुपये सहायता राशि देने के निर्देश दिए हैं। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सनौसी गांव के उमेश कोल अपनी पत्नी के साथ जंगल में पत्तियां तोड़ने गया था। उसी समय बांधवगढ़ की तरफ से दो जंगली हाथी वहां पहुंच गए। उमेश अचानक हाथियों के सामने आ गया। हाथियों ने उसे कुचलकर मार डाला। उमेश की पत्नी जान बचाने के लिए भागकर एक पेड़ पर चढ़ गई। उसने पेड़ से लोगों से मदद के लिए आवाज लगाई। गांव के लोग दौड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उमेश की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद हाथी संजय गांधी टाइगर रिजर्व की ओर निकल गए। इसके बाद डिंडौरी जिले के सनौसी से करीब एक किलोमीटर दूर डोडा जंगल में एक महिला की जंगली हाथियों ने कुचलकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, 45 वर्षीय महिला देवगनिया बैगा (पत्नी एतु) जंगल में पत्तियां तोड़ रही थी, तभी अचानक वहां हाथी आ पहुंचे और उन्होंने महिला को कुचल दिया। पहले सिर्फ एक ग्रामीण की मौत की जानकारी थी, लेकिन जब पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, तो उन्हें दूसरी घटना की जानकारी भी मिली और वे तुरंत डोडा जंगल पहुंचे और जांच शुरू की।

नाना पटोले ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखा पत्र, प्रोटोकॉल न मानने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली । महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है। पत्र में मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई के दौरे को लेकर प्रोटोकॉल का पालन न करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। नाना पटोले ने लिखा, आपको यह पत्र लिखते समय अत्यंत पीड़ा हो रही है। बहुजन समाज के गौरव, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई का महाराष्ट्र सरकार एवं राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपमान किया गया है। एक महाराष्ट्र पुत्र के रूप में उनका मुंबई में सत्कार करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के अनुसार राज्य महाराष्ट्र के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और मुंबई पुलिस आयुक्त की उपस्थिति अपेक्षित थी, परंतु दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं हुआ। अंततः मुख्य न्यायाधीश ने अपने भाषण में यह टिप्पणी की कि मेरे इस कार्यक्रम में इन अधिकारियों को आने की योग्यता नहीं लगती, तो यह विचार उन्हें स्वयं करना चाहिए। यह वक्तव्य अत्यंत दुखदायक है और यह स्पष्ट संकेत देता है कि महाराष्ट्र सरकार अपने ही सुपुत्र का सम्मान करने में विफल रही है। उन्होंने आगे लिखा, न्यायमूर्ति भूषण गवई डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों के अनुयायी हैं, इस कारण उनके साथ यह व्यवहार जानबूझकर किया गया ऐसा संदेह संपूर्ण महाराष्ट्र में व्यक्त किया जा रहा है। संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के सम्मान के लिए एक निर्धारित प्रोटोकॉल होता है। ऐसा प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र सरकार ने इस प्रोटोकॉल की अवहेलना की है। पटोले ने अंत में विनम्र अपील की। कहा- यह अपमान केवल भूषण गवई का नहीं, बल्कि महात्मा ज्योतिबा फुले, छत्रपति शाहू महाराज और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का भी है। इस अपमान के लिए राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए, ऐसी आपसे विनम्र प्रार्थना करता हूं। आपकी कार्रवाई से भविष्य में कोई भी सरकार और अधिकारी किसी संवैधानिक पद पर बैठे शख्स का अपमान करने का साहस नहीं करेंगे, ऐसी अपेक्षा करता हूं।

ब्रजेश पाठक के डीएनए पर बात करना सपा के नैतिक पतन को दर्शाता है : नरेंद्र कश्यप

लखनऊ । अखिलेश यादव और ब्रजेश पाठक के बीच जारी डीएनए विवाद को लेकर अब उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नरेंद्र कश्यप की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि ब्रजेश पाठक के डीएनए के बारे में बात करना सही नहीं है। मैं उनकी कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और समाजवादी पार्टी के बीच चल रहे विवाद पर मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा, ÷डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के बारे में अभद्र भाषा का प्रयोग करना और अपमानजनक टिप्पणी करना, खासकर उनके डीएनए के बारे में, समाजवादी पार्टी में नैतिक पतन के उस स्तर को दर्शाता है, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। मैं समाजवादी पार्टी के इन कार्यों और शब्दों की कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा, मेरी समाजवादियों को सलाह है कि वे इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल न करें, क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में वे अपने अस्तित्व को भी नहीं बचा पाएंगे।÷ राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना की तारीफ की। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर बेहद सफल रहा, पूरे देश और यहां तक कि दुनिया ने हमारी तीनों सेनाओं के प्रयासों की प्रशंसा की। सेना को कार्रवाई की पूरी आजादी देकर और मजबूत कूटनीति के साथ उनका समर्थन करके प्रधानमंत्री ने भारत की सैन्य शक्ति का स्पष्ट रूप से एहसास कराया।

निचली अदालतों में जजों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, उम्मीदवारों के लिए तीन साल की प्रैक्टिस जरूरी

न्यूनतम प्रैक्टिस की आवश्यकता वहां लागू नहीं होगी, जहां उच्च न्यायालयों ने सिविल जज जूनियर डिवीजन की नियुक्ति प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है।

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को निचली अदालतों में जजों की नियुक्ति पर फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि सभी उच्च न्यायालय और राज्य नियमों में संशोधन करेंगे, ताकि सिविल जज सीनियर डिवीजन के लिए विभागीय परीक्षा के जरिए 10 प्रतिशत पदोन्नति को बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया जाए। साथ ही सर्वोच्च अदालत ने सिविल जज जूनियर डिवीजन परीक्षा में बैठने के लिए 3 साल की न्यूनतम प्रैक्टिस की आवश्यकता को बहाल किया है। इसके अलावा, राज्य सरकारें सिविल जज सीनियर डिवीजन के लिए सेवा नियमों में संशोधन करके इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाएंगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, सभी राज्य सरकारें नियमों में संशोधन करके यह

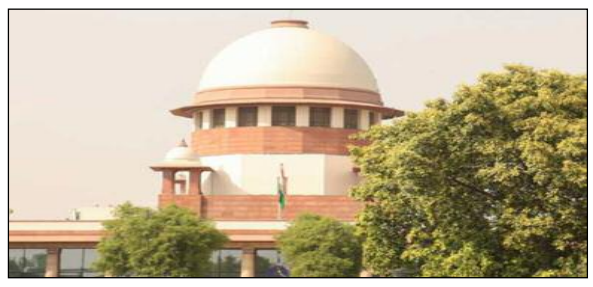

सुनिश्चित करेंगी कि सिविल जज जूनियर डिवीजन के लिए परीक्षा में शामिल होने वाले किसी भी उम्मीदवार के पास कम से कम 3 साल की प्रैक्टिस का अनुभव होना चाहिए। इसे बार में 10 साल का अनुभव रखने वाले वकील द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, जजों के लिए लॉ क्लर्क के रूप में किए गए काम के समय को भी जोड़ा जाएगा। साथ ही जज चुने जाने के बाद अदालत में सुनवाई से पहले उन्हें एक साल का प्रशिक्षण लेना होगा। न्यूनतम प्रैक्टिस की आवश्यकता वहां लागू नहीं होगी, जहां उच्च न्यायालयों ने सिविल जज जूनियर डिवीजन की नियुक्ति प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। इसके साथ ही ऐसी भर्ती प्रक्रियाएं, जो इस मामले के लंबित रहने के कारण स्थगित रखी गई थीं, अब संशोधित नियमों के अनुसार होंगी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों की पेंशन को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से रिटायर्ड जजों के लिए वन रैंक, वन पेंशन के आदेश दिए हैं। सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने अपने फैसले में कहा, चाहे उनकी प्रारंभिक नियुक्ति का स्रोत कुछ भी हो, चाहे वह जिला न्यायपालिका से हो या वकीलों में से हो, उन्हें प्रति वर्ष न्यूनतम 13.65 लाख रुपए पेंशन दी जानी चाहिए।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली बार बीकानेर पहुंचेंगे पीएम मोदी, कार्यकर्ताओं में उत्साह

बैठक में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल मौजूद रहे।

एजेंसी

बीकानेर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को बीकानेर दौरे पर होंगे। पीएम मोदी के आगमन से पहली तैयारियों को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं संग बैठक की और बाद में कहा कि कार्यकर्ताओं में अत्यंत उत्साह दिखाई दे रहा है। बैठक में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल मौजूद रहे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जहां पर व्यवस्थाएं कम हो रही हैं उसका विस्तार कर रहे हैं। बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक पहुंचेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को मिलेगा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में जानकारी दी। उन?होंने कहा कि मां करणी की कृपा से हम सफल हुए। ऑपरेशन सिंदूर

की सफलता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और सेना का काम सराहनीय रहा है। उन्होंने कहा कि सीमा पर हमारा कोई जवान हताहत नहीं हुआ, हालांकि पाकिस्तान ने हमारे देश के अंदर घुसकर हमला करने की कोशिश की लेकिन हमारे जवानों ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान की बस्तियों को नुकसान नहीं पहुंचाते हुए आतंकवादियों के अड्डों को नेस्तनाबूद किया। सेना ने उन आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया जो कंधार हमले में भी शामिल थे। इस दौरान कई आतंकियों ने यहां तक कहा कि अच्छा होता कि इस हमले में परिवार के साथ मैं भी मारा जाता। उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तान से सामान्य हवाई यात्राएं चालू करवाई, उसमें भी उन्होंने युद्धक विमान निकाल लिए। भारत की ताकत से घबराया पाकिस्तान ने सीजफायर के लिए कई देशों से गिड़गिड़ाया। इसके बाद पाकिस्तान की सेना ने भारतीय सेना के अधिकारियों से कहा कि हम युद्ध नहीं चाहते है, हम आपसे चर्चा करना चाहते हैं। इसके बाद भारतीय सेना ने कुछ शर्तें भी रखी कि हमें बचे हुए आतंकवादियों का समर्पण चाहिए, आप आतंकवाद का कभी संरक्षण नहीं करोगे।

मदरसों के प्रति सरकार अपना रवैया बदले तो बेहतर : मायावती

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने मंगलवार को मदरसों के खिलाफ योगी सरकार के एक्शन को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मदरसों आदि की प्राइवेट व्यवस्था के विरुद्ध सरकार का रवैया सहयोग का होने के बजाय उन्हें अवैध बताकर बंद करने का होना बुनियादी शिक्षा की जरूरत को और कमजोर करने वाला गैरजरूरी और अनुचित है।

उन्होंने योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि निजी मदरसों के प्रति सरकार अपना रवैया बदले तो बेहतर। इसके साथ ही मायावती ने चिंता जताते हुए कहा कि प्रदेश के स्कूलों में 22 लाख बच्चों के एडमिशन में इस साल गिरावट आई है। उन्होंने प्रदेश सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि शिक्षा के महत्व और जरूरत पर उचित ध्यान देना जरूरी है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक के बाद एक तीन पोस्ट किए। बसपा प्रमुख मायावती ने पहले पोस्ट में लिखा, यूपी के प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूलों में सन 2023-24 में 1.74 करोड़ दाखिले हुए, किंतु 2024-25 में मात्र 1.52 करोड़ अर्थात स्कूल दाखिला में लगभग 22 लाख की गिरावट सरकारी स्कूल व्यवस्था की

ऐसी बदहाल स्थिति गंभीर व चिंतनीय। शिक्षा के महत्व व जरूरत पर सरकार का उचित ध्यान जरूरी।दूसरे पोस्ट में मायावती ने लिखा, फिर भी सस्ती व सुलभ व्यवस्था के तहत मदरसों आदि की प्राइवेट व्यवस्था के विरुद्ध सरकार का रवैया सहयोग का होने के बजाय उन्हें अवैध बताकर बंद करने का होना बुनियादी शिक्षा की जरूरत को और कमजोर करने वाला गैर-जरूरी व अनुचित।

पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई: बटाला में आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़

एजेंसी

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बटाला पुलिस ने छह आतंकियों को गिरफ्तार किया है, जो आईएसआई के निर्देश पर काम कर रहे थे। ये आतंकी बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े हुए थे और इनका मास्टरमाइंड मनिंदर बिल्ला और मन्नू अगवान था। बटाला पुलिस ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है। पुलिस के एक्स हैंडल के मुताबिक, गिरफ्तार आतंकियों की पहचान जतिन कुमार उर्फ रोहन, बरिंदर सिंह उर्फ साजन, राहुल मसीह, अब्राहम उर्फ रोहित, सोहित और सुनील कुमार के रूप में हुई है। इनके पास से एक 30 बोर पिस्तौल बरामद हुई है। पुलिस ने बताया कि ये आतंकी बटाला में एक शराब की दुकान पर ग्रेनेड हमला करने की कोशिश कर चुके थे। गिरफ्तार आतंकियों को पुर्तगाल स्थित मनिंदर बिल्ला और बीकेआई मास्टरमाइंड मन्नू अगवान से सीधे निर्देश मिल रहे थे। मन्नू अगवान ने हाल ही में अमेरिका में हैप्पी पासियन की गिरफ्तारी के बाद ऑपरेशनल चार्ज संभाला था। गिरफ्तार आतंकियों में से एक जतिन कुमार पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। उसने पुलिस पर गोलियां चलाई और जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया। उसे सिविल अस्पताल बटाला में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस और यूएपीए के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि वे राज्य में आतंकी नेटवर्क को बेअसर करने और शांति और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए

प्रतिबद्ध हैं। इस कार्रवाई के बाद पुलिस आतंकी नेटवर्क के अन्य सदस्यों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। पुलिस का कहना है कि वे किसी भी कीमत पर आतंकवाद को पनपने नहीं देंगे और राज्य की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे।

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार, छगन भुजबल ने मंत्री पद की शपथ ली

एजेंसी

मुंबई । वरिष्ठ एनसीपी नेता और समता परिषद के संस्थापक छगन भुजबल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मंत्रिमंडल का हिस्सा बन गए हैं। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को एक समारोह में उन्हें मंत्री पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार, मंत्रियों, सरकारी अधिकारियों और एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल सहित अन्य नेताओं की उपस्थिति में हुआ। समारोह के बाद भुजबल ने कहा, ÷मैं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ-साथ सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल का भी आभार व्यक्त करता हूं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी

परिषद के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का भी आभार व्यक्त करता हूं। मैं उन सभी का भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने अब तक मुझे प्यार और स्नेह दिया है। भुजबल को खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग मिलने की उम्मीद है, उन्होंने इससे आभार व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के सभी लोगों, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों, समता पहले इस विभाग की जिम्मेदारी उद्धव ठाकरे और फिर एकनाथ शिंदे (2019-24) के नेतृत्व वाली पिछली सरकारों में उठाई थी। भुजबल तब काफी समय से नाराज चल रहे थे। दरअसल, 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया था, लेकिन मंत्री पद नहीं दिया था। आहत भुजबल ने पार्टी नेतृत्व के समक्ष अपनी नाराजगी खुले तौर पर जाहिर की थी और कहा था कि पिछले साल विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी के ओबीसी मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाने के बावजूद उनके बारे में विचार नहीं किया गया।

इसके बाद उन्होंने पार्टी के कई कार्यक्रमों से दूरी बना ली थी, लेकिन पार्टी अध्यक्ष अजित पवार और कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने संगठनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया।

परमाणु वैज्ञानिक एमआर श्रीनिवासन का निधन

एजेंसी

चेन्नई। परमाणु वैज्ञानिक और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन का मंगलवार को तमिलनाडु के उधगमंडलम में निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। देश के सिविल न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम के प्रमुख वास्तुकार डॉ. श्रीनिवासन ने परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) में करियर सितंबर 1955 से शुरू किया और पांच दशकों से भी ज्यादा समय तक अपनी सेवा दी थी।उन्होंने डॉ. होमी

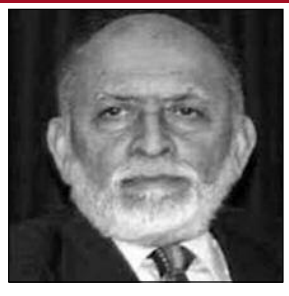

भाभा के साथ मिलकर देश के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर अप्सरा के निर्माण में काम किया, जो अगस्त 1956 में शुरू हुआ था। वष्र 1959 में उन्हें देश के पहले परमाणु ऊर्जा स्टेशन के लिए प्रधान परियोजना इंजीनियर नियुक्त किया गया। वर्ष 1974 में वे डीएई के पावर प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग डिवीजन के निदेशक बने और एक दशक बाद न्यूक्लियर पावर बोर्ड के अध्यक्ष का पद संभाला। वर्ष 1987 में डॉ श्रीनिवासन को परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। उसी साल वे न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के संस्थापक अध्यक्ष भी बने। उनके कार्यकाल में उल्लेखनीय विस्तार हुआ और उनके मार्गदर्शन में 18 परमाणु ऊर्जा इकाइयां विकसित की गईं, जिनमें सात चालू हो गई थीं और सात निर्माणाधीन थीं। इसके अलावा, चार योजना चरण में थीं। परमाणु विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए डॉ. श्रीनिवासन को देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

निजी बस के खड़ी लॉरी से टकराने से चार लोगों की मौत, कई घायल

एजेंसी

विकाराबाद। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में मंगलवार तड़के एक निजी बस के खड़ी लॉरी से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।पुलिस ने बताया कि रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल के चेनवेल्ली गांव के 60 लोगों का एक समूह परिगी में एक डिनर पार्टी में शामिल होने के बाद बस से घर लौट रहा था, तभी परिगी मंडल के रंगपुर के पास बीजापुर-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यह दुर्घटना हुई।एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने परिगी सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल लोगों को बाद में बेहतर चिकित्सा देखभाल के लिए हैदराबाद के उस्मानिया सरकारी सामान्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना मे बाइक सवार घायल रिम्स रेफर

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - हेसमी मोड़ के निकट एनएच 75 में मंगलवार को सड़क दुर्घटना में चान्हो के नकटा पहाड़ बांध गढ़ा निवासी बाइक सवार शिवनाथ भगत 19 वर्ष घायल हो गया. उसे मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है. घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे की है. बताया जा रहा है कि शिवनाथ भगत रांची की ओर जा रहा था. इसी क्रम में हेसमी मोड़ में सामने से आ रहे एक अन्य बाइक सवार ने उसे ठोकर मार दिया!

दयानंद आर्य विद्या पब्लिक स्कूल मांडर के बच्चो को सम्मनित किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - दयानंद आर्य विद्या पब्लिक स्कूल, मांडर के प्रांगण में आज कक्षा 12 वीं एवं 10 वीं के बच्चे जो सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के टॉपर है तथा पिछला सत्र के सभी कक्षाओं के टॉपर बच्चों को मोमेंटो तथा मेडल देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर मांडर के पूर्व विधायक श्रीमती गंगोत्री कुजूर, मांडर थाना प्रभारी श्री राहुल जी, शिक्षाविद डॉक्टर डी. एन .सिंह जी एवं राजू सिंह जी विद्यालय के निदेशक डॉ राजेश दत्त तथा विद्यालय की सेक्रेटरी श्रीमती अर्चना मैडम के द्वारा दीप प्रज्वलित कर तथा सभी अतिथियों का स्वागत सॉल तथा पौधा देकर किया गया इस कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा स्वागत गाण की प्रस्तुति की गई विद्यालय के निदेशक डॉ राजेश दत्त ने कहा कि सीबीएसई बोर्ड में विद्यालय के टॉपर बच्चे आदित्य आर्यन चौबे 12वीं में 95% तथा विवेक कुमार सिंह दसवीं में 96% लाकर विद्यालय तथा अभिभावक का सर गर्व से ऊंचा किया साथ ही सभी बच्चे प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए साथ ही साथ विद्यालय के 12वीं के बच्चे आदित्य आर्यन चौबे जी मैंस परीक्षा में 99.6% लाकर रांची के टॉपर बने इन सब के पीछे बच्चों का मेहनत, शिक्षकों का मेहनत तथा अभिभावकों का मेहनत भी शामिल है उन्होंने यह भी कहा कि यह आपकी पहली सीढ़ी है जिसे आपने सफलतापूर्वक प्राप्त किया अब आगे भी इसी तरह मेहनत करते रहे और अपने लक्ष्य को प्राप्त करते रहें उन्होंने यह भी कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का विचार होता है इसलिए अपने शरीर पर भी बच्चे ध्यान दें और पढ़ाई को भी समय सारणी बनाकर पढ़ाई करते रहें । धन्यवाद ज्ञापन तथा मंच संचालन रेहाना के द्वारा किया गया इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य ,उप- प्राचार्य ,शिक्षक गण , बच्चों के अभिभावक सभी उपस्थित थे!

ऑक्सब्रिज स्कूल में विद्यार्थी हुए सम्मानित

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर, कंदरी मोड़ मांडर स्थित ऑक्सब्रिज स्कूल में सी. बी. एस. ई. बोर्ड परीक्षा (2024-2025) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10वीं के विद्यार्थियों को स्कूल मोमेंटो एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्राचार्य मिस ईवोन ई. एक्का ने छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य छात्रों के सकारात्मक सोच एवं उनकी अंतर्निहित क्षमता का विकास एवं प्रतिभा को उजागर करना है। समारोह में मौजूद वर्तमान कक्षा 10वीं के छात्रों की उपस्थिति में अतिथि श्री मनीष कुमार (आई. आई. टी. रुड़की) ने बच्चों को अपने सम्बोधन में नियमित रूप से पढ़ाई करने तथा प्रश्नों को रटने के बजाय समझकर अभ्यास करने पर जोर दिया तथा अपने आत्मविश्वास को बनाए रखने को कहा।

भाजपा सारण के द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया

तिरंगा यात्रा न सिर्फ राष्ट्र के प्रति समान का प्रतीक है यह वीर जवानो को समर्पित : राकेश सिंह

सोनपुर ,। तिरंगा यात्रा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह के नेतृत्व मे सोनपुर मे निकाला गया भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस एवं बलिदान के सम्मान में भाजपा बिहार प्रदेश के निर्देश पर भाजपा सारण के द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया जो महेशावरी चौक से शुरू होकर गाँधी चौक सोनपुर में समापन हुआ इस तिरंगा यात्रा में सभी कार्यकर्त्ता शामिल हुए इस अवसर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह पूर्व विधायक विनय सिंह बिनोद सम्राट लालबाबू कुशवाहा उपेन्द्र सिंह डॉ पंकज सिंह हेमनारायण सिंह सुनील दुबे हर्षावर्धन छोटू सिंह जयंत सिंह दीपक शर्मा विमल चौरसिया मिथलेश सिंह अभय सिंह सहित सैकड़ो एनडीए कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे इस अवसर पर भाजपा नेता राकेश सिंह ने कहा की देश है तो हम है सेना है तो देश है सुरक्षित है यह तिरंगा यात्रा न सिर्फ राष्ट के प्रति समान का प्रतीक है यह वीर जवानो को समर्पित है जिन्होंने आतकवाद के खिलाफ निर्णायक करवाई कर देश को गौरवान्वित किया।

अमृत भारत एशियन स्कीम के तहत एम्स अस्पताल के सबसे नजदीक मात्र दो किमी पर स्थित

पुनर्विकसित शंकरपुर रेलवे स्टेशन का 22 को होगा उद्घाटन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

अमृत भारत एशियन स्कीम के तहत एम्स अस्पताल के सबसे नजदीक मात्र दो किमी की पर दिल्ली कोलकाता मुख्य रेलवे लाइन पर स्थित शंकरपुर रेलवे स्टेशन का आगामी 22 जुलाई को पीएम द्वारा ऑनलाइन उद्घाटन होना तय हुआ है। इसे लेकर जोर शोर से तैयारी की जा रही है। जिसके तहत पंडाल निर्माण, साफ सफाई आदि रेलवे अधिकारी के देखरेख में किया जा रहा है। बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के रूप में भी भारतीय रेलवे द्वारा शुरू की गई एक योजना है। जिसका उद्देश्य देश भर में 1309 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण करना है। इस योजना के तहत, स्टेशनों को आधुनिक यात्री सुविधाओं, बेहतर यातायात नियंत्रण, इंटर-मॉडल कनेक्टिविटी और स्पष्ट साइनबोर्ड से लैस करने का लक्ष्य है। इसके मुख्य विशेषताएं स्टेशन का पुनर्विकास होना है। 1309 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास में से शंकरपुर रेलवे स्टेशन का भी पुनर्विकास किया गया। वही शेष कार्य जारी है। यहां आधुनिक यात्री सुविधाएँ स्टेशनों पर उपलब्ध की गई है। बेहतर बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता, और वातानुकूलन आदि। साथ ही सुविधाजनक यातायात नियंत्रण को भी ध्यान में रखा गया है। स्टेशनों पर यात्रियों के आवागमन को सुव्यवस्थित तरीके से किया जाएगा, जिससे भीड़भाड़ कम होगी। इंटर-मॉडल कनेक्टिविटी के तहत स्टेशन को अन्य परिवहन साधनों से जोड़ा जा सके। जैसे कि बसें और टैक्सी, ताकि यात्रियों को एक जगह से दूसरी जगह जाने में आसानी हो। इसके लिए खुला और पक्का स्पेस, अंदर रेलवे पुल आदि किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए स्पष्ट साइनबोर्ड व्यवस्था किया गया है। ताकि यात्रियों को सही दिशा में मार्गदर्शन करने के लिए स्पष्ट और विभिन्न रंगों द्वारा डिजिटल रूप से सुसज्जित साइनबोर्ड बहुत लुभावना लग रहा है। स्थानीय संस्कृति और कला का समावेश किया

गया है। ताकि स्टेशन के निर्माण डिजाइन में स्थानीय संस्कृति और कला को शामिल किया गया। जिससे देखने में आकर्षक लग रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के के तहत यात्रियों को लाभ होगा। वहीं यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं और बेहतर यातायात नियंत्रण के साथ यात्रियों को एक बेहतर यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा। साथ ही आसानी से विभिन्न परिवहन साधनों के साथ बेहतर कनेक्टिविटी से यात्रियों को एक जगह से दूसरी जगह जाने में आसानी होगी। अब शंकरपुर स्टेशन के पुनर्विकास से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। शंकरपुर स्टेशन पर दो मंजिल भव्य और सुंदर भवन बनाया गया है। साथ ही उसमें कई तरह के सुविधाएं हैं। ग्राउंड फ्लोर पर दो खिड़की काउंटर टिकट रूम का, सेकेंड क्लास यात्री वेटिंग रूम, ठंडा पानी पीने का व्यवस्था, रैंप और सीडी, निशक्तों विशेष व्यवस्था, पार्किंग, बरामदे, दिवाल और सेलिंग करीब 45 फैन, रोड पोस्ट लाईट, टाइम डिस्पले दिन व समय के साथ तापमान सहित, कॉच सूचक डिजिटल बोर्ड, स्टेशन नाम का दो बोर्ड, सुसज्जित आदि, ऊपर यानी प्रथम तल्ले पर रात्रि विश्राम गृह निर्मित है। मौके पर रेलवे आसनसोल डिविजन के पीआरओ बिप्लब बाउरी, वाणिज्य यातायात निरीक्षक ऋषि देव कुमार, एसएसइ टेली संतोष साह, सीनियर पब्लिसिटी आशीष कुमार सिंह, गति शक्ति यूनिट के सुमन बेर, इलेक्ट्रिक विभाग के कर्मी नितेश कुमार, हेल्थ इंस्पेक्टर अभिमन्यु सिंह, टिकट मेन रंजित कुमार यादव अन्य रेलवे कर्मचारी मौजूद थे।

सेवानिवृत्त दिवंगत शिक्षक सरस्वती देवी व उपेन्द्र यादव की प्रतिमा का किया गया अनावरण

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में यादवों की एकजुटता का दिया गया परिचय

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

भागलपुर। भागलपुर जिला अंतर्गत तिलकामांझी-सबौर रोड में स्थित आनंदगढ़ कॉलोनी में मंगलवार को सेवानिवृत्त दिवंगत शिक्षक सरस्वती देवी व उपेन्द्र यादव की प्रतिमा का अनावरण किया गया। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे दिल्ली के सुप्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ संजय कुमार ने अपने दिवंगत माता-पिता को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के आरंभ में वैदिक रीति रिवाज से पूजा अनुष्ठान किया गया। पुरोहित में धार्मिक रीति रिवाज से दिवंगत शिक्षक सरस्वती देवी व उपेन्द्र यादव की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा कराते हुए उसका अनावरण कराया। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ संजीता बेहरा एवं पुत्री सौम्या शिखा की मौजूदगी में डॉ संजय कुमार ने

बताया कि भागलपुर जिला उनकी जन्मभूमि एवं कर्मभूमि रही है। इस भूमि का कर्ज चुकाना उनकी तार-ीफ प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भागलपुर के आनंदगढ़ कॉलोनी में दिल्ली स्थित कुमार आई सेंटर की शाखा के रूप में सरस्वती उपेंद्र मेमोरियल नेत्र अस्पताल का नींव रखा गया है। यह भागलपुर का एक ऐसा क्लीनिक है जहां नेत्र से संबंधित मरीजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा उपलब्ध होगी। अब भागलपुर एवं आसपास के जिला से नेत्र रोगियों को इलाज के लिए नेपाल या अन्य जगहों पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। रोग विशेषज्ञ डॉ संजीता बेहरा ने कहा कि भविष्य में इस अस्पताल में स्त्री संबंधित रोगों के इलाज की व्यवस्था की जाएगी। गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को कम कीमत पर उत्तम स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना उनकी प्राथमिकता होगी। इस दौरान डॉ पंकज यादव, डॉ एनके यादव, डॉ पीके यादव, समाजसेवी मणिकांत यादव, जिला परिषद उपाध्यक्ष पप्पू यादव, पूर्व उप मेयर प्रदीप यादव, यदुवंश महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव, चंद्रहास यादव, सेवानिवृत्त प्राचार्य अजय यादव ने भी दिवंगत शिक्षक सरस्वती देवी व उपेन्द्र यादव की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। उन्होंने कहा कि डॉ संजय कुमार ने भागलपुर में नेत्र रोगियों के लिए सबसे उत्तम आई क्लीनिक खोलकर एक नई इबादत लिखी है। यह क्लिनिक भागलपुर के लिए वरदान साबित होगा।

टंडवा में शॉपिंग मॉल का हुआ उद्घाटन

दिव्य दिनकरः संवाददाता

टंडवाःचतरा। औद्योगिक नगरी टंडवा के शहीद चौक समीप यूनियन बैंक, गाड़ीलौंग के पास सोमवार की संध्या में एक शॉपिंग मॉल का शुभारंभ किया गया। मॉल का उद्घाटन विधिवत पूजा अर्चना कर सीताराम रवि तथा संचालक दीपक कुमार के परिवारों एवं सगे संबंधियों व दोस्तों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारंभ किया गया। मॉल के संचालक दीपक कुमार ने बताया की ग्राहकों के डिमांड व सुविधाओं के लिए यह नया ब्रांच खोला गया है। यहां पर एक छत के नीचे बच्चों से लेकर बूढ़े,जवान सभी आयु के महिलाओं एवं पुरुषों के लिए उच्च क्वालिटी के सामग्री उपलब्ध है। संचालक श्री कुमार ने बताया कि इस मॉल का उद्देश्य स्थानीय लोगों को खरीदारी और मनोरंजन के लिए एक बेहतर अनुभव प्रदान कर नया विकल्प के रूप में सेवा देगा। मौके पर सुरेश पासवान, नितेश कुमार, बालेश्वर साव, टार्जन कुमार, विक्रांत कुमार, प्रिंस बख्शीश, प्रकाश कुमार, गौतम कुमार, उमेश कुमार, मदन मरांडी व अन्य मौजूद थे।

केरेडारी पंचायत ने रचा इतिहास, लगातार दूसरी बार जीता टीबी मुक्त सम्मान

केरेडारी संवाददाता रबिन्द्र कुमार पाण्डेय की रिपोर्ट

स्वास्थ्य जागरूकता, जनसहभागिता और प्रशासनिक समन्वय का उदाहरण बन चुकी हजारीबाग जिले की केरेडारी पंचायत ने लगातार दूसरे वर्ष टीबी मुक्त पंचायत का दर्जा प्राप्त किया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि ग्राम स्तर पर ईमानदारी और प्रतिबद्धता से किए गए प्रयासों से गंभीर बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। भारत सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संचालित टीबी मुक्त भारत अभियान का लक्ष्य वर्ष 2025 तक देश को क्षय रोग (टीबी) से मुक्त करना है। इस अभियान में जन जागरूकता, प्रारंभिक पहचान, उचित इलाज और समुदाय की भागीदारी को प्राथमिकता दी जाती है। अभियान के अंतर्गत उन पंचायतों को सम्मानित किया जाता है जो अपने क्षेत्र को टीबी से मुक्त करने में सक्रिय भूमिका निभाती हैं। केरेडारी पंचायत में पंचायत प्रतिनिधियों के नेतृत्व में गांवों में जागरूकता अभियान चलाया गया। घर-घर सर्वेक्षण कर संभावित मरीजों की पहचान की गई, उन्हें जांच और इलाज की सुविधा दी गई। नियमित

स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, आशा कार्यकताओं की भागीदारी और स्थानीय युवाओं के सहयोग से अभियान को सफल बनाने में मदद मिली। इस उपलब्धि पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिला प्रशासन द्वारा पंचायत को प्रशस्ति पत्र और प्रतिमा प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे। सम्मान प्राप्त करने के बाद पंचायत की मुखिया ने कहा कि यह पंचायत की सामूहिक मेहनत और सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि आगे और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरणा देती है। केरेडारी पंचायत को पिछले वर्ष भी यह सम्मान मिला था। लगातार दो वर्षों तक यह पुरस्कार प्राप्त होना पंचायत के निरंतर प्रयासों को दशार्ता है। यह मॉडल अब अन्य पंचायतों के लिए भी प्रेरणा बन रहा है, जिससे राज्यभर में अभियान को गति मिल रही है। टीबी मुक्त पंचायत का यह दर्जा उस जनभागीदारी और स्वास्थ्य प्राथमिकता का संकेत है, जिसे केरेडारी पंचायत ने अपनाया। यदि इसी तरह की पहल अन्य क्षेत्रों में भी की जाए, तो टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य जल्द ही हासिल किया जा सकता है।

बड़कागांव बिजली संकट पर विधायक रौशन लाल का एक्शन मोड, विभाग को दिए कड़े निर्देश

केरेडारी संवाददाता रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

केरेडारी क्षेत्र की जनता इन दिनों बिजली संकट से जूझ रही है। घंटों की कटौती, अनियमित आपूर्ति और बार-बार फॉल्ट से लोग परेशान हैं। इसी गंभीर समस्या को लेकर विधायक रौशन लाल ने बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ आपात बैठक की और साफ शब्दों में कहा – जनता अब और अंधेरे में नहीं रह सकती, 24 घंटे बिजली दो या जवाब दो।बैठक में मौजूद अधिशासी अभियंता, एसडीओ, जूनियर इंजीनियर समेत सभी अधिकारियों को विधायक ने निर्देश दिया कि बिजली व्यवस्था में अविलंब सुधार किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी,अगर बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन से भी पीछे नहीं हटूंगा।उन्होंने आगे कहा कि जब सरकार ग्रामीण क्षेत्रों को 24 घंटे बिजली देने की बात करती है, तो बड़कागांव-केरेडारी के लोगों को इससे वंचित क्यों रखा जा रहा है?बैठक में उपस्थित स्थानीय नेताओं, पंचायती राज प्रतिनिधियों, भाजपा मंडल अध्यक्ष और युवाओं ने एक सुर में कहा कि यह समस्या वर्षों पुरानी है और अब

इसका स्थायी समाधान चाहिए। उनका कहना था कि खेती-बाड़ी से लेकर बच्चों की पढ़ाई तक सब कुछ बिजली पर निर्भर है, और लगातार कटौती से जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।बिजली विभाग के अधिकारियों ने स्वीकार किया कि कुछ तकनीकी कारणों से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है, लेकिन इसके समाधान के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, ग्रामीणों का कहना है कि अगर इस बार भी सिर्फ आश्वासन मिला और जमीनी स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ, तो वे खुद आंदोलन की राह पकड़ेंगे। लोगों ने मांग की है कि विभाग की जवाबदेही तय हो और खराब ट्रांसफार्मर, जर्जर लाइनें व ओवरलोडिंग जैसी समस्याओं का जल्द हल निकाला जाए। बड़कागांव और केरेडारी की बिजली समस्या अब सिर्फ एक तकनीकी मुद्दा नहीं रही, यह जनता की बुनियादी जरूरत और अधिकार का सवाल बन चुकी है। विधायक की सक्रियता से उम्मीद जरूर जगी है, लेकिन असल सवाल यह है कि विभाग की बातों में दम कितना है और धरातल पर काम कब तक दिखाई देगा?

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय कुश्ती के लिए देवघर के दो पहलवान चयनित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

25 मई से 27 मई तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम, आगरा चौक पलवल चंडीगढ़ मे आयोजित अंडर 17 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए जिले के दो खिलाड़ी नम्रता भारती (62 किलो), और मनीष कुमार झा (110 किलो फ्री स्टाइल) झारखंड कुश्ती टीम मे चयनित हुए है। पिछले माह रांची में आयोजित राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में देवघर के दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। संघ के अध्यक्ष बिजय प्रताप सनातन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में टीम कोच संजीव कुमार झा के साथ दोनों पहलवान रांची रवाना हुए, वहां से 22 मई को झारखंड टीम के साथ चंडीगढ़ के लिए प्रस्थान करेंगे। संघ के रौनक सिन्हा, गौरव राय, आशीष पांडे, दशरथ महता, कुमार अंशु , रोहित केसरी एवं सभी पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं देकर विदा किया।

सिविल सर्जन ने एन यू एच एम कार्यक्रम की समीक्षा बैठक की

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

दिनांक 20/05/2025 को डॉ युगल किशोर चौधरी सिविल सर्जन देवघर की अध्यक्षता में एन यू एच एम कार्यक्रम की समीक्षा के साथ ही साथ पी एस आई इंडिया के द्वारा प्रदान किए जा रहे तकनीकी सहयोग के तहत टी सी आई कार्यक्रम की अद्यतन जानकारी साझा करने हेतु सदर अस्पताल देवघर के सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। सिविल सर्जन द्वारा शहरी क्षेत्रों में हो रहे सभी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई साथ ही भविष्य की कार्ययोजना पे चर्चा की गई। सिविल सर्जन के द्वारा जिला कार्यक्रम समन्वयक प्रवीण कुमार सिंह को परिवार नियोजन से संबंधित आवस्यक जन जगरुकता बढ़ाने एवं आई ई सी के कार्यो का मूल्यांकन & अधतन कार्यवाही करने हेतु निदेशित किया गया। पी एस आई इंडिया से प्रशांत कुमार सिंह ने टी सी आई कार्यक्रम की अद्यतन की जानकारी साझा की साथ ही आगामी कार्य योजना के बारे में अवगत कराया। हल्ड की ओर से ऋष्ट बिकेश कुमार के द्वारा शहरी क्षेत्रों में नियमित टीकाकरण की अद्यतन स्थिति इसमें संभावित सुधार हेतु आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में डॉ प्रभात रंजन डी एस सदर हॉस्पिटल देवघर, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, यू ए ए एम, अटल क्लिनिक्स के प्रभारी, ए एन एम, जी एन एम, फार्मासिस्ट, बी टी टी, एन यू एच एम कार्यालय सहायक राजीव रंजन तथा सहायक कर्मी उपस्थित थे।

गर्भवती महिला के लिए दो युवाओं ने किया रक्तदान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ इंसानियत फाउंडेशन के सदस्य केवल पाकुड़ मे नहीं झारखण्ड, बिहार एवं पश्चिम बंगाल के कई जिलों मे जाकर रक्तदान कर मानवता का परिचय दे रहे है, इशाक्पुर दराजपुर के 27 वर्षीय सुहाना खातून को रामपुरहाट मे ओ पॉजिटिव ब्लड की जरूरत पड़ी, डियूटी मे तैनात डॉक्टर ने कहा ब्लड चढ़ाना अति आवश्यक है नहीं तो इलाज करना मुश्किल हों जायेगा परिजनों ने काफी खोजबीन पर विफल रहे उसके बाद इंसानियत फाउंडेशन के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन से संपर्क किया गया, तभी संस्था के उप सचिव आसादुल और सदस्य चाँद शेख रक्तदान के लिए तैयार हुए, दोनों रामपुरहाट सदर अस्पताल जाकर ओ पॉजिटिव रक्तदान किया, तब जाकर इलाज संभव हों पाया परिजनों ने आभार व्यक्त किया आसादुल ने कहा मैंने अपने जीवन मे 13वीं रक्तदान किया और मेरा दोस्त 6 बार बहुत अच्छा लग रहा जब मै अपना खून देकर किसी जरूरत मंद लोगों का मदद करता हूँ आगे भी इंसानियत फाउंडेशन के माध्यम से रक्तदान करता रहूंगा मौके पर अध्यक्ष सद्दाम हुसैन चाँद शेख, आसादुल मुल्ला मौजूद रहे है.

जोहार जियाउल दादा के नेतृत्व में खतियानी पद यात्रा शुरू – दुमका से रांची तक हक-अधिकार की आवाज

संवाददाता गोड्डा - नकीब जिया

गोड्डाः झारखंड की अस्मिता और अधिकारों को लेकर एक बार फिर जनआंदोलन तेज हो गया है। उप-राजधानी दुमका से आज ₹खतियानी पद यात्रा₹ की ऐतिहासिक शुरूआत हुई, जिसका नेतृत्व जियाउल दादा कर रहे हैं। यह पद यात्रा राज्य की राजधानी रांची तक जाएगी और वहां राजभवन के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन के साथ समाप्त होगी। इस पद यात्रा का मुख्य उद्देश्य झारखंड के मूलवासियों और आदिवासी समुदाय के संवैधानिक एवं परंपरागत अधिकारों की बहाली है। आंदोलन के दौरान निम्नलिखित मुख्य मांगें रखी गई हैं:झारखंड की स्थानीय नीति को 1932 के खतियान के आधार पर लागू किया जाए। नियोजन नीति को भी 1932 के खतियान के अनुरूप बनाया जाए। विस्थापन नीति को 1932 आधारित नीति के तहत लागू किया जाए। गरमजरूवा जमीन को जमाबंदी का दर्जा दिया जाए। आदिवासी हितों के लिए महत्वपूर्ण 'पेसा कानून' को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। अन्य राज्यों में पलायन कर रहे मजदूरों को राज्य में ही रोजगार उपलब्ध कराया जाए। शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार कर मूलभूत सुविधाएं सुलभ करवाई जाएं। अब तक मुआवजा से वंचित विस्थापितों को उनका हक जल्द से जल्द दिया जाए। पद यात्रा के संयोजकों का कहना है कि यह केवल एक विरोध यात्रा नहीं, बल्कि झारखंडी अस्मिता की पुनर्स्थापना का संघर्ष है। जियाउल दादा ने सभी झारखंडवासियों से इस अभियान में कदम-से-कदम मिलाकर चलने की अपील की है ताकि हक और अधिकार की लड़ाई को निर्णायक मुकाम तक पहुँचाया जा सके। अब वक्त आ गया है कि झारखंडी अपने हक के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ें और खतियानी अधिकारों को फिर से जीवित करें – जियाउल दादा यह पद यात्रा राज्य की राजनीतिक चेतना को एक नई दिशा देने का प्रयास है, जो आने वाले समय में झारखंड की नीतियों पर निर्णायक प्रभाव डाल सकती है।

राजमहल बीडीओ सह सीओ ने की योजनाओं की समीक्षा, आवास पूर्ण नहीं करने पर लाभुकों को चेतावनी

साहिबगंजः प्रखंड विकास पदाधिकारी- सह- अंचल अधिकारी मो. यूसुफ ने आज राजमहल प्रखंड अंतर्गत कई पंचायतों में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने पंचायत गुनीहारी, महासिंहपुर, घाट जमनी और मोकिमपुर में अबुआ आवास योजना की समीक्षा करते हुए लाभुकों से सीधे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जिन लाभुकों ने अभी तक आवास निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया है, वे अविलंब निर्माण कार्य को पूरा करें, अन्यथा उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।निरीक्षण के क्रम में उन्होंने संबंधित पंचायत कर्मियों को भी कड़ा निर्देश दिया कि दो दिनों के भीतर सभी लाभुकों को उनके कार्य प्रगति के अनुसार अगली किस्त का भुगतान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार कर्मियों पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।पंचायत महासिंहपुर में निरीक्षण के दौरान मनरेगा योजना के तहत निर्मित बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना एवं बिरसा हरित ग्राम योजना का भी जायजा लिया गया। उन्होंने इस वर्ष चयनित लाभुकों को निर्देश दिया कि गड्ढा खुदाई पूर्ण होते ही तुरंत घेराबंदी का कार्य शुरू करें, ताकि योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।इसके अतिरिक्त 15वें वित्त आयोग की योजनाओं, पंचायत भवन और ज्ञान केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को इन संरचनाओं की नियमित देखभाल और समुचित उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान बीडीओ मो. यूसुफ ने रोजगार सेवकों को विशेष रूप से निर्देश दिया कि अबुआ आवास योजना के अंतर्गत कार्यरत लाभुकों को मनरेगा मद से मजदूरी का समय पर भुगतान हर हाल में किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण विकास और गरीब परिवारों को सशक्त बनाना है, इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर कोताही न हो।इस अवसर पर बीपीओ गगन बापू, प्रखंड समन्वयक अभिजीत कुमार, आवास कोऑर्डिनेटर रविकांत रवि, रोजगार सेवक बिनोद रूज, दीपक मरांडी, दीपक दास, बीएफटी माणिक दास, संतोष सिंह सहित कई अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने संबंधित पंचायतों में बैठक कर योजनाओं की समीक्षा की और आगे की रणनीति पर चर्चा की।

तालझारी में उमंग प्रोजेक्ट के तहत बाल विवाह रोकथाम एवं किशोरी हेल्प डेस्क पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंजः तालझारी प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को उमंग प्रोजेक्ट के तहत एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह की रोकथाम और किशोरी हेल्प डेस्क की प्रभावशीलता को लेकर जागरूकता बढ़ाना तथा ग्राम स्तर पर इसके सशक्त क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था।इस अवसर पर तालझारी प्रखंड के विभिन्न ग्राम संगठनों के पदाधिकारी, जेएसएलपीएस (खरछढर) कर्मी और महिला समूहों की प्रतिनिधियाँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में उमंग प्रोजेक्ट के पदाधिकारी आरिफ ने कहा कि किशोरियों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में यह परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करने के लिए समुदाय की सामूहिक भागीदारी और सतत जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सरफराज नवाज ने अपने संबोधन में कहा कि ह्बाल विवाह न सिर्फ एक सामाजिक अपराध है, बल्कि यह किशोरियों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। इसे रोकने के लिए समुदाय स्तर पर संवाद और सहयोग बेहद जरूरी है।कार्यक्रम में किशोरी हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली पर विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि यह डेस्क किशोरियों को उनके अधिकारों, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आत्मरक्षा संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेगी। साथ ही, किशोरियों की समस्याओं की पहचान कर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।इस दौरान ग्राम संगठनों के प्रतिनिधियों ने बाल विवाह के विरुद्ध एकजुट होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई तथा किशोरियों को मुख्यधारा से जोड़ने में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में खरछढर की ओर से सामुदायिक समन्वयक शाहनवाज आलम, पीआरपी संतोष कुमार और रोहिदा खातून भी उपस्थित रहीं।

रामादेवी बाजला महिला महाविद्यालय में बहुविषयक राष्ट्रीय सेमिनार का होगा आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

रामा देवी बाजला महिला महाविद्यालय, देवघर में दिनांक 22 और 23 मई 2025 को बहुविषयक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन होगा. इसमें झारखंड , बिहार, पश्चिम बंगाल एवं उत्तर प्रदेश से रिसोर्स पर्सन प्रमुख वक्ता के रूप में भाग लेंगे और महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत करेंगे । सेमिनार का मुख्य विषय झारखंड की सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक विविधता में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं की भूमिका₹ रखा गया है ।सेमिनार का आयोजन राज्य सरकार के उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग राँची, द्वारा प्रायोजित किया गया है. सेमिनार से लगभग 150 शोधार्थी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए पंजीकृत हैं. इस बहुविषयक राष्ट्रीय सेमिनार के मुख्य संर₹ाक प्रो. (डॉ.) कुनुल कंदीर माननीय कुलपति महोदया एस के एम यू, दुमका , संरक्षक प्रो. (डॉ.) बिमल प्रसाद सिंह माननीय प्रति-कुलपति एस के एम यू,दुमका , सह संरक्षक डॉ सुचिता कुमारी प्राचार्या , आर डी बाजला महिला महाविद्यालय, देवघर हैं । सेमिनार के संयोजक करुणा पंजीयरा बँगला विभाग सह- संयोजक सीमा सिंह जूलोजी विभाग,आयोजन सचिव के रूप डॉ किसलय सिन्हा राजनीति विज्ञान विभाग एवं कोषाध्यक्ष ममता कुजर अर्थशास्त्र विभाग को बनाया गया है । सम्मानित अतिथि के रूप में प्रो. (डॉ.) विभाष सी. झा पूर्व कुलपति टीएमबीयू पूर्व निदेशक एनएटीएमओ, डीएसटी, भारत सरकार। मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) श्वेता प्रसाद प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, बी.एच.यू. सचिव, इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी ' विशेष वक्ता प्रो. (डॉ.) काकोली धारा मंडल निदेशक, महिला अध्ययन केंद्र, कल्याणी विश्वविद्यालय रिसोर्स पर्सन के रुप में प्रो. (डॉ.) राजीव कुमार , दर्शनशास्त्र विभाग, बीआरए बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर एवं डॉ.सौमेन डे सहायक प्रोफेसर (एस-III), रसायन विज्ञान विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड। मुख्य रूप से भाग लेंगे और महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत करेंगे । इस सेमिनार को सफल बनाने के लिए गठित महाविद्यालय के सभी शिक्षकों की विभिन्न समितियो की कार्यकुशलता एवं समर्पण से सेमिनार की तैयारियाँ पूर्ण हो चुका है ।

आज होगी कांग्रेस का संविधान बचाओ रैलीः

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राष्ट्रव्यापी संविधान बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस का जिला स्तरीय रैली आज देवघर में होगी। इस रैली में देवघर जिला के सभी प्रखंड,नगर के पंचायत एवं वार्ड स्तर के कार्यकताओं और समर्थकों का महा जुटान होगा। विभिन्न क्षेत्रों एवं मार्गों से सभी आर एन बोस लाइब्रेरी परिसर में इकट्ठा होंगें, जिन्हें जनसभा का रूप दिया जाएगा।इस लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। रैली को मुख्य रूप से राष्ट्रीय सचिव एवं झारखंड कांग्रेस के सह प्रभारी सिरि बेला प्रसाद,कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश,विधायक दल के नेता प्रदीप यादव एवं झारखंड सरकार के मंत्रीगण शामिल होकर सभा को संबोधित करेंगें। रैली में राष्ट्रीय तथा प्रदेश स्तर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी भाग लेंगें। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने बताया। रैली के मुख्य अतिथि सह प्रभारी सिरि बेला प्रसाद,कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, स्टेट कोरिडिनेशन कमिटी के सदस्य प्रदीप बालमुचू के साथ संजय कुमार एवं वरिष्ठ नेताओं का आगमन मंगलवार देर शाम देवघर परिषदन में हुआ। जहां कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश के अगुवाई में देवघर जिला कांग्रेस नेताओं तथा कार्यकताओं द्वारा अपने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। नेताओं का स्वागत जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय,जिला महासचिव दिनेश कुमार मंडल, नगर अध्यक्ष रवि केसरी, अवधेश प्रजापति,अमित पांडेय,रवि बर्मा, विकास राउत,रामाकांत कुमार, सूरज सिंह, राघवेन्द्र झा, अटल मिश्रा,अमूल राज, जयंत भारती, प्रियांशु सिंह, राहुल आदर्श केशरी समीर केशरी आदि ने किया।

झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ ने अपनी मांगों के समर्थन में रैली निकाली

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के देवघर शाखा के द्वारा जिला संयोजक मनोज कुमार मिश्र के नेतृत्व में एक रैली निकाली गई जो सत्संग चौक से जिला समाहरणालय पहुंची और उपायुक्त के प्रतिनिधि के रूप में जिला समाहर्ता से मिल कर कर्मचारी हितों से संबंधित बाईस सूत्री मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को संबोधित आवेदन सौंपा. अपर समाहर्ता ने हमारी मांगों को मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव तक हमारी बातों को पहुंचाने का आश्वासन दिया. इस कार्यक्रम में जिला संयोजक मनोज कुमार मिश्र, उप संयोजक सौरभ रिचर्ड, चिकित्सा संघ के सचिव अरुण प्रसाद यादव, उपाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, विभूति कुमार एएनएम जी एन एम संघ की जिलाध्यक्ष अलका कुमारी, किरण कुमारी, पूनम कुमारी, मंजू कुमारी, आशा कुमारी, पिंकी कुमारी, सावित्री कुमारी सहित दर्जनों कर्मचारियों ने हिस्सा लिया. ज्ञातव्य हो कि झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के निर्देश पर राज्य के सभी जिलों के द्वारा उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपने का निर्देश था जिसके आलोक में आज अन्य जिलों सहित देवघर में भी ज्ञापन सौंपा गया.

महत्पूर्ण मांगें. :-

राज्य में सभी विभागों के सभी रिक्त पड़े पदों पर अनुबंध तथा आउट सोर्सिंग के अंतर्गत कार्यरत सभी विभागों के कर्मियों को नियमित किया जाय.

स्वास्थ्य विभाग के एन एच एम सहित सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों में कार्यरत कर्मियों को जल्द नियमित किया जाय और जब तक नियमित नहीं हो समान कार्य समान वेतन लागू किया जाय.

एम पी डब्ल्यू को नियमित किया जाय.

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को तृतीय श्रेणी का घोषित किया जाय. राज्य के सभी कर्मचारियों की सेवानिवृत्त उम्र पैंसठ वर्ष किया जाय. देश के सभी बड़े अस्पतालों को बीमा योजना में शामिल किया जाय. सभी विभागों के आउट सोर्सिंग कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा से आच्छादित किया जाय. सभी विभागों के रिक्त पदों पर अविलंब नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की जाय, राज्य के सभी विभागों के लिपिकों को बिना लेखा परीक्षा उत्तीर्ण किए हुए ए सी पी, एम ए सी पी का लाभ दिया जाय. सभी विभागों के कम्प्यूटर ऑपरेटरो को स्थायी नियुक्ति या समान कार्य के बदले समान वेतन दिया जाय. केंद्रीय कर्मियों के अनुरूप परिवहन एवं अन्य भत्ता दिया जाय. चार श्रम संहिता को रद्द किया जाय राज्य कर्मचारियों को एन पी एस मद में कटौती की गई राशि वापस किया जाय. शिक्षकों में भी प्रोन्नति प्रकिया को लागू किया जाय. पर्यवेक्षकों का 4600 ग्रेड पे लागू किया जाय. सभी संवर्ग का नियमावली बनाया जाय, नियमावली के अनुसार प्रोन्नति दिया जाय, मुफस्सिल कार्यालयों के सभी लिपिकों का सहायक घोषित कर समाहरणालय के तर्ज.पर प्रोन्नति दी जाय. वेतन विसंगतियों की समीक्षा कर उसे दूर किया जाय. अनुसचिवीय संघ के हड़ताल मे कार्मिक विभाग के साथ हुए समझौते को तत्काल लागू किया जाय. जन सेवक संघ और कृषि विभाग के बीच हुए समझौते को लागू किया जाय.

भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकाली तिरंगा यात्रा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और देश की सेना के सम्मान में आज भाजपा देवघर प्रखंड की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली गई। भाजपा प्रखंड अध्यक्ष ईश्वर राय के नेतृत्व में देवघर प्रखंड से तिरंगा यात्रा निकालकर शहर का भ्रमण करते हुए से देवघर प्रखंड पहुंची 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के। सेंकड़ों की संख्या में नागरिक, सामाजिक संगठन हाथों में तिरंगा लेकर इस यात्रा में शामिल हुए। भारत माता की जय और वंदे मातरम₹ के नारों से शहर गूंज उठा प्रोफेसर राजीव सिंह ने कहा यह हम लोग के लिए गर्व की बात है जिस प्रकार भारतीय सेना ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए भारतीय सेना को सलाम करते हैं चंद्रशेखर खवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सेना ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में हमारी बहनों का सिंदूर मिटाने वाले आर्तकियों को उसी भाषा में जवाब मिला है। सेना को खुली छूट दी गई और उन्होंने आर्तकियों को उन्हीं के घर में घुसकर मार गिराया। दास ने राफेल, मिसाइलों और भारतीय सेना की ताकत की सराहना करते हुए कहा कि यह नया भारत है जो दुश्मनों को कहीं भी ढूंढ निकालता है। उन्होंने कहा कि भारत अब आर्तकियों के खिलाफ हर हमले का पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की तर्ज पर करेगा। मौके पर ईश्वर राय प्रभारी राजीव सिंह चंद्रशेखर खवाड़े संतोष मिश्रा निर्मल मिश्रा पवन पांडे प्रमोद कुमार अशोक कुमार एवं सभी कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे

शत्रुता-मित्रता का आधार है स्थाई हित

>> विचार

“ पुराने दौर में, अगर अमेरिकी राष्ट्रपति जैसा कोई शक्तिशाली व्यक्ति ऐसी बातें कह देता तो भारत परेशान हो जाता। लेकिन चीन और अमेरिका जैसी कहीं ज़्यादा शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं के सामने, भारत अपनी स्थिति को संभालना सीख रहा है, वे दोनों अपने-अपने टैरिफ़ को कम करने के लिए आपस में सौदेबाजी कर रहे हैं - और इस निर्णय का असर भारत के निर्यात पर पड़ना लाजिमी है। तथ्य यह कि, गत सप्ताह, भारत ने राजनीति की सबसे पुरानी कहावत से फिर से सीखा हैझ‘न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, यह केवल अपने हित हैं, जो स्थायी होते हैं’। बीते दिन के अख़बार की तरह, जो अगले दिन रद्दी बन जाता है।

ज्योति मल्होत्रा

कुछेक दिन पहले हुए भारत-पाकिस्तान टकराव में अमेरिका द्वारा मध्यस्थता के दावों पर भारत के विदेश मंत्रालय की और से छह बिंदुओं वाला खंडन पत्र जारी करने के कुछ घंटों बाद ही,डोनाल्ड ट्रम्प ने छठवीं बार जोर देकर कहा कि बीच-बचाव उन्होंने ही करवाया है : ‘ह्नऔर वैसे तो मैं बताना नहीं चाहता था कि मध्यस्थता मैंने की है, लेकिन पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में निश्चित रूप से मैंने मदद की है, जो अधिक से अधिक शत्रुतापूर्ण होती जा रही थी’। उक्त कथन ट्रम्प ने गुरुवार को कतर स्थित अमेरिका के अल-उदीद एयरबेस पर सैनिकों को संबोधित करते व्यक्त किया, जो उनके खाड़ी दौरे का अंतिम पड़ाव था। आखिर में यह भी कह गए :‘मैं आपको बता रहा हूं,मैं ही वह व्यक्ति हूं जिसने परमाणु युद्ध को टाला’। अब या तो आप अविश्वास में अपनी आंखें गोल-गोल घुमाएं या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति की बातों पर यकीन कर लें,जिसका मतलब बकौल उनके यह है कि उन हालात में एक शक्तिशाली तीसरे पक्ष की आवश्यकता थी झ्र अर्थात वे स्वयंझ्र जिसका प्रभाव भारत और पाकिस्तान, दोनों पर हो, ताकि वहां के लोगों को एक-दूसरे पर फिर से हमला करने और उनके बीच ‘1,000 साल से चले आ रहे युद्ध’ को जारी रखने से रोका जा सके। लेकिन कहानी में तीन और सबक हैं। पहले का संकेत तब मिला, जब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बीते गुरुवार शाम अफ़गानिस्तान में अपने समकक्ष यानि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से फ़ोन पर बात की। कोई नहीं जानता कि किसने किसको फ़ोन किया, लेकिन विदेश मंत्रालय ने यह ज़रूर बताया कि जयशंकर ने पहलगाम नरसंहार को लेकर मुत्ताकी द्वारा की गई निंदा की सराहना की है। पहली (अंतिम तीन में से) सीख यह नहीं कि जयशंकर और मुत्ताकी ने वास्तव में एक-दूसरे से बात कीझ्र यहां गौरतलब है दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के एक नेता ने एक ऐसे व्यक्ति से बात की जिसकी सरकार को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता तक नहीं, वह तो केवल एक शासन का प्रतिनिधि है झ्र या फिर उन्होंने जानबूझकर यह

खुले तौर पर किया। यहां सबक यह कि भारत ने इस बात की कोई परवाह नहीं की कि उसी तालिबान से बात करने के लिए आलोचना की जाएगी या नहीं, जिसने 15 अगस्त, 2021 को दूसरी बार सत्ता में आने से पहले, और उसके बाद से, हरेक नियम का सब तरह से उल्लंघन किया। सच तो यह कि जयशंकर ने तो इस मामले में ट्रंप का ही अनुसरण किया। वो यह कि अगर आपके अंदर सत्ता में टिके रहने की क्षमता है, तो आपके अपने विचारों में बदलावों के साथ-साथ देश की स्थापित नीतियों की दिशा बदलने की आपकी मूर्खता को भी माफ़ कर दिया जाएगा। जरा ट्रंप को देखें। वह अपने देश के कट्टर दुश्मन व्लादिमीर पुतिन के साथ अच्छा व्यवहार कर रहे हैं; बीते हफ़्ते की शुरुआत में उन्होंने रियाद में अल-कायदा के सबसे नए सहयोगी से हाथ मिलाया, जिसका शासन इन दिनों सीरिया पर है; और कट्टरपंथी इस्लामवादी मुस्लिम ब्रदरहुड समूह के गढ़ कतर में,उन्होंने सभी संकेतों को नज़रअंदाज़ कर दिया क्योंकि अल-थानी के शेखों ने उनकी भव्य अगवानी की, इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति के इस्तेमाल के लिए उपहार में दिया 400 मिलियन डॉलर का विमान भी शामिल है। यहां तक कि जब कतर के व्यापारियों को संबोधित करते हुए अपना यह ऐतराज जताया कि एप्पल के सीईओ टिम कुक भारत में आईफोन बनाने जा रहे हैं (‘मैंने उनसे कहा, मेरे दोस्त, मैं आपके साथ बहुत अच्छा व्यवहार कर रहा हूं लेकिन अब सुना है कि आप भारत में आईफोन बनाने ज रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप भारत में उत्पादन करें’), तो भारत ने इस पर प्रतिक्रिया न देकर सरासर नज़रअंदाज़ किया। इसकी बजाय, भारतीयों ने एप्पल के अधिकारियों का रुख किया, जिन्होंने आश्वासन दिया है कि कुक वास्तव में भारत में कारखाना स्थापित करने की अपनी योजना को जारी रखेंगे। पुराने दौर में, अगर अमेरिकी राष्ट्रपति जैसा कोई शक्तिशाली व्यक्ति ऐसी बातें कह देता तो भारत परेशान हो जाता। लेकिन चीन और अमेरिका जैसी कहीं ज़्यादा शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं के सामने,भारत अपनी स्थिति को संभालना सीख रहा है, वे दोनों अपने-अपने टैरिफ़ को कम करने के लिए आपस में सौदेबाजी कर रहे हैं - और इस निर्णय का असर भारत के निर्यात पर पड़ना लाजिमी है। तथ्य यह कि, गत सप्ताह, भारत ने राजनीति की सबसे पुरानी कहावत से फिर से सीखा हैझ‘न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, यह केवल अपने हित हैं, जो स्थायी होते हैं’। बीते दिन के अख़बार की तरह, जो अगले दिन रद्दी बन जाता है, पिछले हफ़्ते के पक्के दोस्त आज दूर के रिश्तेदार हो सकते हैं। इसलिए ‘अब की बार ट्रम्प सरकार’ किसी और ही सदी का नारा था। आज की सुरक्षा आपके पाले में एप्पल जैसों के आने से बनेगी, क्योंकि वह कंपनी इतनी शक्तिशाली है कि ट्रम्प के पास टिम कुक को अपने पक्ष में रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं। जहां तक ट्रम्प द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच ‘मध्यस्थता’ का श्रेय लेने की बात है, वैसे तो अब न्यूयॉर्क टाइम्स भी मान रहा है कि हमलों में भारत ने पाकिस्तानी ठिकानों को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है। जहां तक पाकिस्तान द्वारा इस संघर्ष में अपनी ‘जीत’ का जश्न मनाने का प्रश्न है, तो शायद न तो ट्रम्प ने और न ही पाकिस्तानियों ने नज़रअंदाज़ किया है कि 11 पाकिस्तानी ठिकानों को भारतीय मिसाइलों ने बींध दिया। इसी वजह से पाकिस्तानियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति का रुख किया और उनसे लड़ाई बंद करवाने की गुहार लगाई। या, हो सकता है, ट्रम्प ने खुद से इस पर गौर किया होझ हालांकि अब वे किसी और चीज़ में व्यस्त हो चुके हैं, फिलहाल नए जन्मे पोते का जश्न मना रहे हैं। तीसरी सीख यह है कि सत्ता में अपने तीन महीनों में, ट्रम्प ने आधी दुनिया को सफलतापूर्वक नाराज़ कर डाला है। तथ्य है कि चीन को जलाकर राख करने के अपने वादे-इरादे से वे मुकर गए हैं क्योंकि उनकी अपनी अमेरिकी कंपनियों का विशाल कारोबार चीन में है, जिनसे वे काफी मुनाफ़ा कमाते हैं, अवश्य ही उन्होंने यह समझाया होगा कि चीन पर उच्च टैरिफ केवल अमेरिकी ग्राहकों को ही नुकसान पहुंचाएगा झ्र यह दर्शाता है कि जब आप शक्तिशाली हों, तो हल्की बातें भी चल निकलती हैं। जहां तक जयशंकर-मुत्ताकी बातचीत का प्रश्न है, वास्तव में यह संवाद ऑपरेशन सिंदूर के अंत के करीब हुआ है या कहें कि ऐसे मौके पर जब पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से खंजर खिंचे हुए हैं, जो किसी से छिपा नहीं है। वास्तव में, भारत पिछले कुछ समय से तालिबान को डोरे डालने की कोशिशें कर रहा है, लगभग उसी समय से जब उसने 2021 में भारत की स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ के दिन काबुल पर कब्ज़ा कर लिया था। एक साल बाद काबुल की अपनी यात्रा पर, यह स्पष्ट दिखा कि तालिबान के किसी समय अपने उस्ताद और संरक्षक यानि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के साथ रिश्ते बिगड़ चुके हैं। यह कहानी कि आईएसआई ने तालिबान पर किस प्रकार पकड़ बनाई और उसका तब तक पोषण किया, जब तक पश्चिमी मुल्कों ने 9/11 के बाद अफगानिस्तान पर कब्जा नहीं कर लिया था, यह कि कैसे आईएसआई ने 20 साल तक इसका खूब फायदा उठाया और उसके बाद तालिबान को अमेरिकियों और उसके नाटो सहयोगियों से देश वापस छीनने में मदद की झ्र यह किस्सा फिर किसी वक्त के लिए। गत सप्ताह के बड़े खेल में, जबकि सतलुज के पानी की भांति ट्रंप अपना बहाव नित बदल रहे हैं और शेष दुनिया उसके मुताबिक खुद को पुनर्व्यवस्थित करने में जुटी है झ्र भारत ने तालिबान को कैसे अपनी तरफ किया, यह गाथा शायद ज्यादा दिलचस्प है।

संपादकीय

घर का भेदी लंका ढाए

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच कुछ देश विरोधी तत्वों का पर्दाफाश होना चौंकाता है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा देते हैं। देश के भीतर ये दुश्मन बेहद घातक हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा, पंजाब व यूपी के कुछ लोगों की गिरफ्तारी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। ये तत्व न केवल जासूसी में लिप्त थे बल्कि भारत विरोधी प्रचार का भी हिस्सा थे। जो देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव को भी खतरे में डाल सकते हैं। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की रहने वाली सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थी, जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। उस पर पाक के खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप हैं। यूपी के रहने वाले शहजाद और नौमान इलाही पर भी इसी तरह के आरोप हैं। पंजाब में मालेरकोटला के दो लोगों को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि क्या इन आरोपियों की सैन्य या रक्षा अभियानों से संबंधित जानकारी तक सीधी पहुंच थी या वे इसे उच्च पदस्थ स्त्रोतों से प्राप्त कर रहे थे? रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां ज्योति को एक खुफिया एजेंट के रूप में तैयार कर रही थीं। वह सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके। निस्संदेह, भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान करने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। निस्संदेह, इन लोगों की परवरिश में कहीं चूक रही है जो इन्हें यह बोध नहीं करा सकी कि चंद पैसों व सुविधाओं के लालच में देश के साथ गद्दारी नहीं करनी चाहिए। निश्चय ही यह खुलासा राष्ट्रघाती खेल का छोटा हिस्सा है, आने वाले समय में और बड़ी मछलियां इस दलदल में पकड़ी जा सकेंगी। आने वाले वक्त में कई ऐसे जासूसों का खुलासा हो सकता है, जो आतंकवादियों को भारत की धरती पर हमला करने का इनपुट दे रहे हों। केंद्र व राज्य सरकारों, मीडिया और जनता को मिलकर ऐसे तत्वों को बेनकाब करने में मदद करनी चाहिए ताकि देश मे छुपी इन काली भेड़ों को बाहर किया जा सके। एक छलकपट वाले सूचना युद्ध के माध्यम से देश को नुकसान पहुंचाने की आईएसआई की साजिश को सख्ती से नाकाम किया जाए। विडंबना है कि पाकिस्तान भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रहा है। वह सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति का इस्तेमाल न केवल जासूसी के लिये कर रहा था बल्कि भारत के खिलाफ प्रचार तथा पाक की छवि को सुधारने के लिये भी कर रहा था। ज्योति पर आरोप है कि वह सोशल मीडिया के जरिये पाक की उजली छवि गढ़ रही थी। आरोप ये भी कि उसकी एक पाक खुफिया अधिकारी से अंतरंगता रही है, जिसके साथ वह बाली घूमने भी गई थी। पाक दूतावास की एक पार्टी के वीडियो में भी वह नजर आई है। दरअसल, सूचना क्रांति के इस दौर में विदेशी खुफिया एजेंसियां टेलीग्राम, स्नैपचैट व व्हाटसएप आदि के जरिये भारतीय मददगारों से संपर्क साध रही हैं, जिस पर हमारी प्रवर्तन एजेंसियां आसानी से नजर नहीं रख सकती। पुलिस को आधुनिक उपकरणों के साथ इस बाबत कुशल प्रशिक्षण देना चाहिए। बहरहाल, देश विरोधी तत्वों की निगरानी तेज करना वक्त की जरूरत है।

विराट और उनकी कालजयी विराटता

प्रदीप मैगज़ीन

हर वह चीज़ जिसकी शुरुआत है, उसका अंत भी है, चाहे वह जीवन हो या खिलाड़ी का करियर। इन दो छोरों के बीच, सफलता-असफलता, खुशी-गम, जीत-हार के साथ जीवन संघर्ष अपने आप में एक अप्रत्याशित यात्रा है। खेल की दुनिया में, रिटायरमेंट चाहे मजबूरी में हो या स्वेच्छा से, वह अंतिम मुकाम है, जहां पर खेल-यात्रा खत्म हो जाती है। टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली की पारी खत्म हो गई है। कई लोगों का मानना है कि यह समय से पहले लिया गया फैसला है, जबकि कोहली का मानना है उनके पास टेस्ट क्रिकेट की कठिन दरकारों में सफल होने के वास्ते जो ऊर्जा, मानसिक शक्ति और कौशल होना चाहिए, खासकर इंग्लैंड जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में, अब पहले जैसा नहीं रहा। यहां तक कि दस हजार टेस्ट रन का मील का पत्थर, जो कि बहुत करीब था, वह भी इंग्लैंड जाने और क्रिकेट के मैदान पर अपनी ज्वलनशील ऊर्जा को बाहर निकालने का पर्याप्त लालच न बन पाया। कोहली अब 36 वर्ष के हैं, दो बच्चों के पिता हैं। उनकी जीवन संगिनी फिल्म स्टार अनुष्का हैं, जिन्होंने एक व्यक्तित्व के रूप में उनके विकास में बहुत योगदान दिया है। जीवन के बही-खाते में, यह एक ऐसी उम्र है जब पूरी दुनिया आपके आगे होती है, पीछे नहीं। लेकिन एक खिलाड़ी के जीवन में, यह वह उम्र होती है जहां करिअर का अंत सामने नज़र आने लगता है। मन चाहे करे, लेकिन शरीर साथ नहीं देता। हालांकि, कोहली के मामले में इसका उल्टा है। टेस्ट क्रिकेट में उनकी फॉर्म भले ही पहले जितनी न रही हो लेकिन उनकी फिटनेस का स्तर किसी किशोर को भी शर्मिंदा कर सकता है। सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट प्रारूप में उनकी सफलता और आईपीएल की फॉर्म के बूते उनकी प्रतिष्ठा जस की तस है, तथापि उनका

मानना है कि अब उन्हें उस प्रारूप को अलविदा कर देना चाहिए जिसे वह सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं, जिसे उन्होंने ‘खून, पसीने और आंसू’ से सींचा है। एक ऐसा प्रारूप जिसे वह ‘इश्क’ करते हैं और जिसने उन्हें एक व्यक्ति के रूप में ‘आकार’ दिया। पारंपरिक ज्ञान यह कहता है कि आप अपने पास वही रखें जो आपको सबसे ज़्यादा पसंद है और जो अधिक महत्त्वपूर्ण न हो और जिसमें सार और अर्थ नहीं है, उसे तज दें। तब क्यों न सफ़ेद टेस्ट क्रिकेट की बजाय सफेद गेंद वाले प्रारूप को छोड़ते? लेकिन! समस्या यहीं पर है। अपनी अपार लोकप्रियता और प्रशंसकों के अलावा, कम ओवर वाले क्रिकेट प्रारूप (आईपीएल) को मानसिक और शारीरिक रूप से इसके लघु प्रारूप यानी टी-20 के मुकाबले संभालना ज्यादा आसान है। शायद यह ‘धंधा’ इस मायने में मजेदार है, जिसमें विफलता बहुत नुकसान नहीं पहुंचाती और न ही सफलता यह महसूस करवाती है कि आप शिखर पर पहुंच गए हैं। और आईपीएल में आप जो करोड़ों कमाते हैं, वह इसे न छोड़ने के लिए एक अतिरिक्त प्रोत्साहन है। यह किसी राष्ट्र के लिए न होकर एक व्यावसायिक उद्यम के लिए प्रतिबद्धता है, जहां विफलता का जोखिम ‘विश्वासघात’ के बराबर नहीं है। प्रतिबद्धता, अनुशासन और एकाग्रता का प्रतीक विराट, प्रतिद्वंद्वियों का ध्यान अपने शारीरिक हाव-भावों से भंग करने वाली खूबी रखने के साथ खेल के लघु संस्करण में प्रतिद्वंद्वियों को चबाने की ताब रखते हैं। वह बल्लेबाजी, दौड़ने और मानसिक दृढ़ता में उन्हें मात दे सकते हैं। वे अब क्रिकेट के सबसे कठिन प्रारूप यानी टेस्ट क्रिकेट में ऐसा नहीं कर सकते। उनके पास अपने खेल में रिस चुकी तकनीकी कमियों से पार पाने और पूरे पांच दिनों तक विस्फोटक स्तर को बनाए रखने के लिए पहले जितनी ऊर्जा और ताकत नहीं रही। सही मायने में विराट वीरता का सबसे बढ़िया मूर्त रूप हैं। वह निडर योद्धा, जो अपने विरोधियों को छकाने करने के लिए खुद को महामानव-सी ऊर्जा से भर लेता है। दुनिया के क्रिकेट इतिहास में दुर्लभ और भारत में भी इससे पहले ऐसा कोई नहीं हुआ जिसकी आक्रामकता, यहां तक कि अपनी तीव्र और कठोर अभिव्यक्ति में, ज़ैन मुनियों जैसी एकाग्रता के साथ शानदार प्रदर्शन करने से लैस हो। उनकी कप्तानी का रिकॉर्ड इसी कारण से शानदार है कि उन्होंने मैदान में टीम को बिजली के करंट जैसी ऊर्जा से भर दिया, जिसने उन्हें टेस्ट क्रिकेट का ‘पोस्टर ब्वॉय’ बना दिया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि इस काम ने उन्हें थका दिया है। जैसे-जैसे समय बीतता गया, उन्हें खुद अपने कुछ पहलू नहीं भाए, फिर भी वे अपनी ही छवि के कैदी बने रहे। उन्हें न चाहते हुए भी ‘प्रदर्शन’ करना पड़ा। एक बल्लेबाज के रूप में उनकी गिरती सफलता दर के साथ, उन्हें ‘अवसाद’ का सामना करना पड़ा और इससे पार पाने का रास्ता तलाशने के लिए बेताब रहे। वे अपने भीतर के ‘दानव’ का सामना करना चाहते हैं और अपने दिमाग को ‘धोकर’ स्वच्छ करना चाहते हैं। वे हमेशा बदलने, आत्मनिरीक्षण करने और अपने भीतर के ‘नकारात्मक पक्ष’ का सामना करने के लिए तत्पर रहने वाले इंसान हैं और आध्यात्मिकता की ओर उनका रुख यह दर्शाता है कि वे ‘आंतरिक शांति’ पाने की तलाश में हैं। उनकी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा एक ऐसे युवा लड़के के रूप में शुरू हुई थी, जिसे इस बात की जरा परवाह नहीं हो कि दुनिया उसके बारे में क्या सोचती है। उसने भारत को अंडर-19 विश्वकप में जीत दिलाई। अनुशासन और कड़ी ट्रेनिंग में दुनिया की बेहतरीन चीजों का लुत्फ उठाने की इच्छा बलि चढ़ गई। उन्हें समय रहते अहसास हो गया कि उनका खेल बिगड़ रहा है और उन्हें बदलाव की जरूरत है। इसके वास्ते कठोर अनुशासन और आहार में बदलाव अपनाए, जिसने तराश कर वह विराट कोहली तैयार किया, जिसको दुनिया जानती है और प्रशंसा करती है। डेढ़ दशक में विराट ने वह सब हासिल कर लिया है जिसकी चाहना तमाम खिलाड़ियों को होती है, लेकिन हासिल बहुत कम कर पाते हैं : एक ‘लीजेंड’ का दर्जा। टेस्ट क्रिकेट का शुभंकर, बल्लेबाज़ी की लासानी प्रतिभा और एक बेहतरीन कप्तान। खेलना जारी रखूं या नहीं, यही सवाल उनके दिमाग को परेशान और रातों को बेचैन कर रहा होगा। वह विराट, जो चुनौतियों में फला-फूला था और जिसे तगड़ा मुकाबला पसंद था, आखिरकार उसने खुद को यह समझा लिया कि अब मैदान से हटने और जीवन में आगे बढ़ने का समय आ गया है। जीवन में ‘केवल’ क्रिकेट के अलावा भी बहुत कुछ है।

लेखक वरिष्ठ खेल समीक्षक हैं।

शराब माफिया का जाल लील रहा जिंदगियां

ज्ञान चाँद पाटनी

देश में जहरीली या नकली शराब पीने से लोगों की मौत के मामले चिंता पैदा करने वाले हैं। एक बार फिर जहरीली शराब ने लोगों की जान ले ली है। ताजा मामला पंजाब का है। पंजाब के अमृतसर के मजीठा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुछ गांवों में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत हो गई है। बिहार या गुजरात में जब भी इस तरह के मामले सामने आते हैं तो शराबबंदी को जिम्मेदार ठहराया जाता है, लेकिन पंजाब जैसे राज्य में जहां सरकारी शराब ठेकों की भरमार है वहां जहरीली शराब से लोगों की मौत के मामले सामने आने पर सवाल उठना लाजिमी है। असल में शराब की लत के शिकार गरीब तबके के लोग अक्सर सस्ती शराब की तलाश में रहते हैं। पंजाब ही नहीं पूरे देश में अवैध रूप से शराब बनाने और बेचने का काम बड़े पैमाने पर होने की वजह भी यही है। इसे उन इलाकों में चोरी-छिपे बेचा जाता है, जहां कम आय वर्ग के लोग रहते हैं, क्योंकि यह सस्ती पड़ती है। लेकिन, कई बार लोगों की जान देकर इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। कच्ची शराब बनाने के लिए यूरिया और दूसरे खतरनाक रसायनों का इस्तेमाल भी किया जाता है। इन रसायनों और दूसरे पदार्थों को मिलाकर जब शराब बनाई जाती है तो इथाइल अल्कोहल की जगह मिथाइल अल्कोहल बन जाता है जो जानलेवा साबित होता है। ऐसी त्रासदियां अवैध शराब का उत्पादन और बिक्री रोकने को लेकर सरकार द्वारा बरती जा रही लापरवाही और उदासीनता को भी उजागर करती हैं। असल में शराब माफिया और पुलिस-आबकारी विभाग की मिलीभगत के चलते कच्ची शराब की भट्टियों की

अनदेखी की जाती है। जब तक इस गठजोड़ को नहीं तोड़ा जाएगा, तब तक नकली व जहरीली शराब के उत्पादन का खतरा बना रहेगा। देश में अवैध शराब का उत्पादन तो रुकना ही चाहिए, सभी तरह के नशे की रोकथाम भी आवश्यक है। देश में कभी नशे के खिलाफ सरकारी और गैर सरकारी अभियान चला करते थे, लेकिन अब ये कहीं नजर नहीं आते। शराब जैसे नशीले पदार्थों के प्रचार अभियानों ने तो लोगों में इसके प्रति आकर्षण बढ़ाया है। युवा वर्ग में तो यह स्टेटस सिंबल बन गया है। नतीजा यह है कि आजकल शराब के ठेकों पर भीड़ नजर आती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गत वर्ष जारी अपनी रिपोर्ट ‘ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन अल्कोहल एंड हेल्थ एंड ट्रीटमेंट ऑफ सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर’ में इस तथ्य को भी उजागर किया था कि शराब का सेवन, चाहे कम मात्रा में ही क्यों न किया जाए, स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है। हालत यह है कि भारत में एक लाख मौतों में से शराब से 38.5 मौतें हो रही हैं। यह संख्या चीन से दोगुनी से भी अधिक है। जब असली शराब ही नुकसानदेह है तो गलत तरह से तैयार शराब तो खतरनाक होगी ही। इसलिए अवैध शराब की रोकथाम के साथ शराब और दूसरे नशीले पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान की जरूरत है, ताकि नशा मुक्त समाज बनाने का महात्मा गांधी का सपना साकार हो सके।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त के पहल से जिला के 900 से अधिक सरकारी विद्यालयों में तिथि भोजन में बच्चों का जन्मदिन मनाया गया, बच्चों ने उठाया लुत्फ

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:जनप्रतिनिधि के साथ-साथ जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा छात्र-छात्राओं को तिथि भोजन कराया गया जिसमें बच्चों को भोजन में पुरी, बुंदिया, मिक्स सब्जी व सलाद, दाल एवं अंडा, मिठाई , चिकन, केला परोसा गया प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अन्तर्गत जिला के मध्याह्न भोजन संचालित विद्यालयों में तिथि भोजन का हुआ आयोजन, केन्द्र प्रायोजित प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अन्तर्गत जिला के सभी मध्याहन भोजन संचालित विद्यालयों में विभागीय निदेशानुसार तिथि भोजन का आयोजन करवाने का निदेश दिया गया है। उपायुक्त श्री मनीष कुमार के पहल पर जिला के 900 से अधिक विद्यालयों में पहली बार जन्मोत्सव सह तिथि भोजन का आयोजन किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि सरकार के निदेर्शानुसार सरकारी स्कूलों में तिथि भोजन का आयोजन कराया जा रहा है। इसके तहत हरेक माह में एक दिन बच्चों को पौष्टिक भोजन कराया जायेगा। इस योजना का उद्देश्य बच्चों को स्कूल की ओर आकर्षित किया जाना है। उन्होंने बताया कि तिथि भोजन कोई प्रबुद्ध जन या जनप्रतिनिधि अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, त्योहारों पर भी आयोजित करवा सकते हैं।

नगर परिषद क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के द्वितीय चरण के पात्र लाभुकों का किया जा रहा सर्वे

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार के निदेर्शानुसार नगर परिषद क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना द्वितीय चरण के तहत लाभुकों द्वारा किए गए आवेदनों को जिला प्रशासन के पीएमयू सेल के सदस्यों एवं नगर परिषद के कर्मियों के द्वारा संयुक्त स्थल निरीक्षण करके लाभुकों की योग्यता की जांच की गई। इस क्रम में कुल 450 आवेदनों की जांच की गई। जांच में योग्यता के अनुसार सही पाए गए आवेदनों को जल्द से जल्द योजना का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत द्वितीय चरण में पात्र बेघर परिवारों और कच्चे तथा जीर्ण-शीर्ण मकानों में रह रहे परिवारों को बुनियादी सुविधा युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराया जाएगा।

राज्य योजना जलनिधि के तहत परकोलेशन टैंक निर्माण योजना की हुई जांच

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार के निदेर्शानुसार मंगलवार को भूमि संरक्षण कार्यालय अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य योजनान्तर्गत जलनिधि योजनान्तर्गत जिले के सभी प्रखंडों में संचालित परकोलेशन टैंक निर्माण योजना का जांच पीएमयू सेल के कर्मियों के द्वारा कराया गया। कर्मियों ने स्थल भ्रमण कर योजना की प्रगति, सूचनापट्ट, कार्य की गुणवत्ता को देखा। कर्मियों ने बताया कि योजना स्थल का निरीक्षण उसकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए की गई है। जांच में योजना के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन किया गया, जैसे कि टैंक निर्माण, सामग्री की गुणवत्ता और स्थानीय लोगों का लाभ।

राजमहल बीडीओ सह सीओ ने की योजनाओं की समीक्षा, आवास पूर्ण नहीं करने पर लाभुकों को चेतावनी

साहिबगंज: प्रखंड विकास पदाधिकारी- सह- अंचल अधिकारी मो. यूसुफ ने आज राजमहल प्रखंड अंतर्गत कई पंचायतों में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने पंचायत गुनीहारी, महासिंहपुर, घाट जमनी और मोकिमपुर में अबुआ आवास योजना की समीक्षा करते हुए लाभुकों से सीधे बातचीत की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जिन लाभुकों ने अभी तक आवास निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया है, वे अविलंब निर्माण कार्य को पूरा करें, अन्यथा उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।निरीक्षण के क्रम में उन्होंने संबंधित पंचायत कर्मियों को भी कड़ा निर्देश दिया कि दो दिनों के भीतर सभी लाभुकों को उनके कार्य प्रगति के अनुसार अगली किस्त का भुगतान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार कर्मियों पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।पंचायत महासिंहपुर में निरीक्षण के दौरान मनरेगा योजना के तहत निर्मित बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना एवं बिरसा हरित ग्राम योजना का भी जायजा लिया गया। उन्होंने इस वर्ष चयनित लाभुकों को निर्देश दिया कि गड्ढा खुदाई पूर्ण होते ही तुरंत घेराबंदी का कार्य शुरू करें, ताकि योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।इसके अतिरिक्त 15वें वित्त आयोग की योजनाओं, पंचायत भवन और ज्ञान केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को इन संरचनाओं की नियमित देखभाल और समुचित उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान बीडीओ मो. यूसुफ ने रोजगार सेवकों को विशेष रूप से निर्देश दिया कि अबुआ आवास योजना के अंतर्गत कार्यरत लाभुकों को मनरेगा मद से मजदूरी का समय पर भुगतान हर हाल में किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण विकास और गरीब परिवारों को सशक्त बनाना है, इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर कोताही न हो।

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा विधानसभा चुनाव में लखीसराय सीट पर क्या लगा पाएंगे जीत का चौका

महागठबंधन दल अगर एमएलसी अजय कुमार सिंह को प्रत्याशी बनती है तो मुकाबला होगा कांटे का.

भूमिहार,यादव,पासवान,कुर्मी और मुस्लिम वोटर जीत में निभाते हैं अहम भूमिका.

आईने की नजर में लखीसराय विधानसभा क्षेत्र का राजनीतिक सफर

रंजीत कुमार विद्यार्थी

लखीसराय (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत लखीसराय विधानसभा सीट लखीसराय जिले के तहत आता है। लखीसराय विधानसभा सीट 1977 में पहली बार अस्तित्व में आया था। 1977 में जनता पार्टी के कैंडिडेट कपिल देव सिंह ने लखीसराय सीट पर कब्जा किया था। वहीं 1980 के चुनाव में कांग्रेसी कैंडिडेट अश्विनी कुमार शर्मा ने सभी विरोधियों को पछाड़ कर यहां जीत हासिल की थी। 1985 के चुनाव में लखीसराय सीट पर जनता पार्टी कैंडिडेट कृष्ण चंद्र प्रसाद सिंह ने जीत दर्ज की थी। 1990 के विधानसभा चुनाव में जनता दल के टिकट से कृष्ण चंद्र प्रसाद सिंह ने एक बार फिर यहां से जीत हासिल की थी, तो 1995 में लखीसराय सीट से जनता दल की टिकट पर यदुवंश सिंह ने जीत हासिल की थी. लेकिन 2000 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार कृष्ण चंद्र प्रसाद सिंह ने एक बार फिर विरोधियों को मात दे दिया था. लेकिन 2005 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू कैंडिडेट फुलैना सिंह ने जीत का परचम लहरा दिया था। वहीं 2010,2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां से विजय कुमार सिन्हा ने जीत की हैट्रिक लगा दी थी. वर्ष 2020 के चुनाव में लखीसराय सीट पर बीजेपी कैंडिडेट विजय कुमार सिन्हा ने जीत हासिल की थी। विजय कुमार सिन्हा को 74 हजार दो सौ 12 वोट मिला था तो कांग्रेस उम्मीदवार अमरेश कुमार 63 हजार सात सौ 29 वोट ही मिल पाया था। इस तरह से विजय कुमार सिन्हा ने अमरेश कुमार को 10 हजार चार सौ 83 वोट के बड़े अंतर से हरा दिया था। वहीं निर्दलीय कैंडिडेट सुजीत कुमार 11 हजार पांच सौ 70 वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, 2015 के विधानसभा चुनाव में लखीसराय सीट पर बीजेपी कैंडिडेट विजय कुमार सिन्हा ने जीत हासिल की थी। विजय कुमार सिन्हा को 79 हजार पांच सौ एक वोट मिला था तो जेडीयू कैंडिडेट रामानंद मंडल को 69 हजार तीन सौ 45 वोट ही मिल पाा था। इस तरह से विजय कुमार सिन्हा ने रामानंद मंडल को 10 हजार एक सौ 56 वोट के अंतर से हरा दिया था। वहीं एसएचएस कैंडिडेट रामपुकार मंडल 11 हजार पांच सौ 51 वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, 2010 के विधानसभा चुनाव में लखीसराय सीट पर बीजेपी कैंडिडेट विजय कुमार सिन्हा ने जीत हासिल की थी। फुलेना सिंह को 41 हजार चार सौ 48 वोट मिला था तो आरजेडी कैंडिडेट फुलेना सिंह को महज 18 हजार आठ सौ 37 वोट ही मिल पाा था। इस तरह से विजय कुमार सिन्हा ने फुलेना सिंह को 59 हजार छह सौ बीस वोट के बड़े अंतर से हरा दिया था। वहीं निर्दलीय कैंडिडेट अजय कुमार सिंह 16 हजार छह सौ 35 वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहे थे। वर्ष 2005 के विधानसभा चुनाव में लखीसराय सीट पर आरजेडी कैंडिडेट फुलेना सिंह ने जीत हासिल की थी। फुलेना सिंह को 41 हजार चार सौ 48 वोट मिला था तो बीजेपी कैंडिडेट विज कुमार सिन्हा को 41 हजार तीन सौ 68 वोट मिले थे। इस तरह से फुलेना सिंह ने विज कुमार सिन्हा को महज 80 वोटों के मार्जिन से हरा दिया था। वहीं लोजपा कैंडिडेट कृष्ण चंद्र प्रसाद सिंह, 9 हजार दो सौ 17 वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहे थे।

डिडेट विजय कुमार सिन्हा ने जीत हासिल की थी।

विजय कुमार सिन्हा को 78 हजार चार सौ 57 वोट मिला था तो आ-

बीजेपी कैंडिडेट विज कुमार सिन्हा

जीत में किस जाति की रहती है अहम भूमिका

लखीसराय विधानसभा सीट पर भूमिहार,यादव,पासवान,कुर्मी और मुस्लिम वोटरों की अहम भूमिका है.चूंकि उपमुख्यमंत्री बनने के बाद विजय कुमार सिन्हा का कद पहले से काफी बढ़ गया है। ऐसी स्थिति में डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा वर्ष 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत का चौका लगा पाते हैं या नहीं ? यह अहम सवाल लखीसराय विधानसभा क्षेत्र में तैर रही है.

महागठबंधन दल के कौन हो सकते हैं यहां से उम्मीदवार

अब यहां देखना होगा कि महागठबंधन दल से लखीसराय विधानसभा सीट से कौन उम्मीदवार होते हैं. ऐसे तो उम्मीदवारों की लंबी फौज है. लेकिन मुख्य रूप से जो नाम राजनीतिक गलियारे से सामने आ रही है, उसमें राजद के पूर्व विधायक फुलेना सिंह और इसी दल के एमएलसी अजय कुमार सिंह शामिल है. राजनीतिक समीक्षकों का मानना है कि महागठबंधन दल से अगर एमएलसी अजय कुमार सिंह को टिकट मिलता है तो एनडीए उम्मीदवार डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा और अजय कुमार सिंह के बीच कांटे का टक्कर होगा.

सरस्वती शिशु उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में एक विशेष प्रेरणादायक सत्र का आयोजन किया गया

विशेष प्रेरणादायक सत्र का आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी सह खैरा बिंद के मुखिया सुजीत कुमार सिंह शामिल होकर बच्चों को किया प्रेरित

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- मुख्यालय स्थित सूर्य मंदीर अदरी नदी के निकट सरस्वती शिशु उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में 19 मई 2025 को एक विशेष प्रेरणादायक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर समाजसेवी सह खैराबिंद पंचायत के मुखिया सुजीत कुमार सिंह ने बच्चों से संवाद किया और उन्हें जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। इस समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

तत्पश्चात, समाजसेवी सुजीत कुमार सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए बच्चों को शिक्षा, अनुशासन और सेवा भाव के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अपने जीवन के संघर्ष और सफलता की कहानियों से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि कठिन परिश्रम और ईमानदारी से हर सपना साकार हो सकता है। आगे सुजीत कुमार सिंह ने बच्चों को यह भी बताया कि किस प्रकार वे छोटे-छोटे समाज सेवा के कार्यों से अपने आस-पास के लोगों की मदद कर सकते हैं। प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक ने सुजीत कुमार सिंह को सम्मानित करते हुए कहा, ₹हम आभारी हैं कि आपने अपने बहुमूल्य समय से हमारे विद्यार्थियों को प्रेरित किया। आपके मार्गदर्शन से हमारे बच्चे जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित हुए हैं।

कार की चपेट में आकर एक बच्ची की मौत हो गयी

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - थाना क्षेत्र के महुआजाड़ी गांव में मंगलवार की शाम कार की चपेट में आकर एक सवा साल की बच्ची अयांशी तिग्गा पिता कैलाश तिग्गा की मौत हो गयी. हादसे के बाद बच्ची की मौत से गुस्साये लोगों ने कार चालक अबुल हसन की जमकर पिटाई कर दी. अबुल हसन कुडू के ककरगढ़ का रहने वाला है. घटना शाम करीब पांच बजे की है. बताया जा रहा है कि महुआजाड़ी निवासी कैलाश तिग्गा अपने घर के पास बाइक खड़ा कर अपनी पत्नी अलोमनी कुजूर व सवा साल की बच्ची अयांशी तिग्गा के साथ मांडर जाने की तैयारी कर रहा था. जैसे ही उसकी पत्नी अयांशी तिग्गा को लेकर बाइक में बैठी. बिसाहाखटंगा की ओर से आ रहे एक कार ने बाइक को जोरदार ठोकर मार दिया. जिससे बाइक सड़क किनारे पहले से डंप किये ईंट के ढेर में घुस गया. और इंट का ढेर कैलाश तिग्गा, उसकी पत्नी व बच्ची के ऊपर गिर गया. बाद में वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह ईंट के नीचे दबे कैलाश तिग्गा, उसकी पत्नी व बच्ची को बाहर निकाला और उन्हें मांडर स्थित एक निजी अस्पताल ले गये जहां चिकित्सकों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया. हादसे में मृत बच्ची अयांशी तिग्गा के पिता कैलाश तिग्गा व मां अलोमनी कुजूर को भी चोटें आयी है. हादसे के बाद गुस्साये लोगों ने कार के चालक अबुल हसन की जमकर पिटाई की और उसे करीब चार घंटे तक बंधक बनाये रखा. ग्रामीण हादसे के जिम्मेदार चालक को उनके सुपुर्द करने की मांग कर रहे थे. घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मांडर पुलिस ने अपनी अभिरक्षा में लेकर चालक की जान बचाई. जानकारी के अनुसार कार चालक अबुल हसन कुडू के ककरगढ़ का रहने वाला है. वह बिसाहाखटंगा अपने भाई के ससुराल गया था. और अपनी भाभी व बच्चों को लेकर वहां से अपने घर ककरगढ़ जा रहा था. इसी क्रम में यह हादसा हो गया!

रणगांव से निकली भव्य कलश शोभा यात्रा, पढ़भरा पहुंचा रामधुन महायज्ञ का शुभारंभ

451 महिलाओं और कन्याओं ने लिया भाग,

दिव्य दिनकर संवाददाता
तारापुर

तारापुर। बाबा रत्नेश्वर नाथ महादेव मंदिर, रनगांव से मंगलवार को एक दिवसीय रामधुन महायज्ञ के अवसर पर भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। इसमें 451 महिलाओं और कन्याओं ने भाग लिया। शोभा यात्रा की शुरूआत तारापुर प्रमुख पिंकू मेहता और राजद नेता जितेंद्र कुशवाहा ने कलशधारियों के सिर पर कलश रखकर की।शोभायात्रा ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ, देवी-देवताओं के जयघोष के बीच रणगांव दुर्गा स्थान से आरंभ होकर कसवा, मानिकपुर, विषय, पियारपुर होते हुए पढ़भरा स्थित देवी स्थान पहुंची। रास्ते भर श्रद्धालुओं ने जल और शरबत की सेवा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।यज्ञ स्थल पर पंडित अंजन द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना की गई। रामधुन महायज्ञ का विधिवत उद्घाटन स्थानीय विधायक राजीव कुमार सिंह ने फीता काटकर किया। आयोजन समिति के अनुसार यह महायज्ञ बुधवार को पूणार्हुति, हवन और भंडारे के साथ संपन्न होगा।शोभा यात्रा की सफलता में गोपाल सिंह, कौशल सिंह, निवास कुमार, रामकृष्ण सिंह, जवाहर सिंह, जलधर सिंह, राजेश कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने सराहनीय योगदान दिया।

आनंद पूर्णिमा के उपलक्ष में बाबा के जन्मोत्सव पर किया क्या नारायण सेवा

जमालपुर। आनंदमार्ग धर्म के संस्थापक श्री श्री आनंदमूर्ति जी उर्फ प्रभात रंजन सरकार के 104 वें जन्मोत्सव के मौके पर आनंदमार्ग प्रचारक संघ के तत्वाधान में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी कड़ी में आनंद पूर्णिमा के उपलक्ष पर बाबा के जन्म स्थान केशोपुर दलहट्टा में मंगलवार को लगभग 400 नारायण के बीच पूरी, सब्जी, बूंदिया का वितरण कर नारायण सेवा किया गया। इस अवसर पर होम्योपैथी चिकित्सा का भी मेडिकल कैंप लगाया गया। मेडिकल कैंप में डायसिस सचिव आचार्य सद्विरानंद अवधूत दादाजी, भुक्ति प्रधान रणजीत कुमार जी, राजेश आनंद जी, मनीष जी, आनंदी जी, राजेश जी, वकील जी, रोहित, कुश, लव, आशीष आदि सभी आनंदमार्गी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे थे। मालूम हो कि आनंद मार्ग प्रचारक संघ के गुरुदेव श्री श्री आनंदमूर्ति जी उर्फ श्री प्रभात रंजन सरकार जी का 12 मई को 104 वीं जन्मोत्सव आनंद पूर्णिमा का बृहत कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस उपलक्ष पर यह नारायण सेवा भी किया गया।

समाहारणलय परिसर का छज्जा जिला योजना पदाधिकारी के ऊपर अचानक गिरा

बाल बाल बचे जिला योजना पदाधिकारी

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय में एक बड़ी घटना होते-होते टल गया। मामला समाहारणलय का है। जहां पहले तो जरजर छज्जा जिला योजना पदाधिकारी के ऊपर अचानक गिर पड़ा। उसके बाद अफरा तफरी मच गई। छाजा गिरने के बाद जिला योजना पदाधिकारी अविनाश प्रकाश चोटिल हो गए।जिसके बाद उन्हें जिला सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी रत्ना प्रियदर्शिनी ने उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाए जहा ड्यूटी पर रहे डॉक्टर ने उन्हें डरेसिंग करने के लिए ओटी में भेज दिया। जहा ड्यूटी पर रहें ड्रेसर ने उक्त पदाधिकारी को बेड पर लेटने को कहा लेकिन बेड गंदा रहने के कारण वे बेड पर

नहीं लेते बल्कि कुर्सी पर बैठने को कहा,लेकिन ड्रेसर ने कहा कि कुर्सी मरीज के लिए नहीं है।इसी बात को लेकर उनके साथ रहें पदाधिकारी ने उक्त ड्रेसर को जमकर फटकार लगाई और कहा की तुम हमको नहीं जानते हो जब इस तरह का व्यवहार पदाधिकारी के साथ हो रहा है तो आम मरीजों के साथ क्या होता होगा। यहीं नही ओटी इतना गंदा नहीं होना चाहिए।इसकी शिकायत डीएम से करूंगी।जब पदाधिकारी को घायल होने की जानकारी मीडिया वालो को हुई तो वे लोग न्यूज कवरेज करने लगे।लेकिन डीपीएम ने न्यूज कवरेज करने से मना कर दिया और कहा कि ये सब अपना मामला हैं।रही बात गंदगी की तो दोषी के ऊपर करवाई होगी।इतना ही नहीं ड्रेसर को अधीक्षक कक्ष में बुलाने के बाद जमकर फटकार लगाई।

संक्षिप्त समाचार

महाप्रबंधक ने विभागाध्यक्षों के साथ की समीक्षा बैठक

हाजीपुर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा आज 20.05.2025 को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों, मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की गयी । इस बैठक में महाप्रबंधक द्वारा पूर्व मध्य रेल पर चल रहे यात्री सुविधा एवं आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की । समीक्षा बैठक में महाप्रबंधक ने कहा कि हमें रेलवे के प्रत्येक क्षेत्र में नई तकनीक का ज्यादा-से-ज्यादा प्रयोग करना होगा ताकि लोगों की अपेक्षा पर खरे उतरते हुए उन्हें बेहतर परिणाम दे सकें । महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने कहा कि गाड़ियों का समय-पालन, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास एवं विस्तार, अमृत भारत स्टेशनों के कार्य में तेजी लाने, माल लदान, राजस्व में वृद्धि, स्वच्छता एवं कर्मचारी कल्याण हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस पार्टी का कार्यक्रम आज

मुंगेर। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर बुधवार को मुंगेर जिला मुख्यालय स्थित तिलक मैदान जिला कांग्रेस कार्यालय में बलिदान दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद इनामुल हक ने बताया कि मुंगेर जिला पार्टी कार्यालय के अलावा सभी प्रखंड तथा नगर क्षेत्र की ओर से भी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें कांग्रेस पार्टी के अलावा कांग्रेस सेवादल, युवा कांग्रेस सहित अन्य प्रकोष्ठ के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। वहीं, जमालपुर शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से मारवाड़ी धर्मशाला में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बलिदान दिवस को संविधान नेतृत्व कार्यक्रम के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से नियुक्त जमालपुर विधानसभा प्रभारी प्रज्ञा फिलिप्स मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगी।

सड़क पर पड़ी मरी नीलगाय बनी हादसे का कारण, तीन युवक गंभीर रूप से घायल

रिपोर्ट - अमरेंद्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) गोह थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब बिनोबा बिगहा गांव निवासी रोहित पासवान (पुत्र - आदित्य पास्वान), कमलेश दास (पुत्र - स्व. ज्ञानचंद दास) और बिमलेश दास एक ही बाइक पर सवार होकर आवश्यक कार्य से दाऊदनगर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक दधपी पेट्रोल पंप के समीप पहुंची, सड़क पर पहले से पड़ी मरी हुई नीलगाय से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना मिलने पर 112 नंबर की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोह में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मगध मेडिकल कॉलेज, गया रेफर कर दिया गया।

लिटेरा पब्लिक स्कूल ने हर्ष और श्रद्धा के साथ मनाया मातृ दिवस

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

पटना :- लिटेरा पब्लिक स्कूल ने मातृ दिवस बड़े ही उत्साह, प्रेम और कृतज्ञता के साथ मनाया। यह अवसर माननीय मुख्य अतिथि श्री प्रणव कुमार, आईएएस, सचिव, गृह विभाग की गरिमामयी उपस्थिति से और भी विशेष बन गया। साथ ही, विद्यालय की निर्देशिकाएं श्रीमती ममता मेहरोत्रा, श्रीमती श्रुति मेहरोत्रा एवं श्री अशुतोष मेहरोत्रा की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक गौरवपूर्ण बनाया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों–गीत, नृत्य, नाटक और कविताओं–ने माताओं के प्रति हार्दिक श्रद्धा और सम्मान को भावपूर्ण ढंग से प्रकट किया। एक जादू का कार्यक्रम ने सभी को रोमांचित किया और आनंदित कर दिया। साथ ही, माताओं और छात्रों के लिए आयोजित संवादात्मक खेल और गतिविधियाँ पूरे आयोजन का विशेष आकर्षण रहीं, जिन्होंने उनके बीच के रिश्ते को और भी प्रगाढ़ बनाया। श्री प्रणव कुमार ने विद्यालय द्वारा पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों की प्रतिभा व उत्साह की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और माताओं के प्रति सम्मानपूर्ण अभिव्यक्ति के साथ हुआ, जो सभी के लिए एक अविस्मरणीय स्मृति बन गई।

प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा के मुद्दे पर राजीव प्रताप रूडी के प्रयासों को विदेश मंत्रालय की स्वीकृति

17 मार्च 2025 को श्री रूडी ने लोकसभा में नियम 377 के तहत प्रवासी श्रमिकों का मुद्दा उठाया

- खाड़ी देशों में श्रमिकों की मौत और शव लाने में देरी पर जताई चिंता।
- कल्याण कोष व द्विपक्षीय समझौतों को मजबूत करने की मांग।
- विदेश मंत्रालय ने प्रवासी योजनाओं पर विस्तृत जवाब दिया।
- मृतकों के शव लाने में दूतावासों की भूमिका की पुष्टि।
- महिला श्रमिकों की सुरक्षा के लिए विशेष उपायों का उल्लेख।
- बिहार के हित में श्री रूडी के सतत प्रयासों की एक कड़ी।
- सांसद कार्यालय के नियंत्रण कक्ष में रोजाना सहायता कॉल आते हैं।
- भोजपुर, सिवान, गोपालगंज, दरभंगा आदि जिलों के श्रमिकों को दी गई सहायता।
- कई मामलों में श्री रूडी ने स्वयं हस्तक्षेप कर राहत दिलवाई।

नई दिल्ली , । पूर्व केंद्रीय मंत्री और सारण के सांसद राजीव प्रताप रूडी ने बिहार के लाखों प्रवासी श्रमिकों की पीड़ा को संसद के पटल पर मजबूती से उठाया। 17 मार्च 2025 को लोकसभा में नियम 377 के तहत उन्होंने यह गंभीर मुद्दा रखा था कि कैसे खाड़ी देशों में काम करने वाले श्रमिक जो विशेष रूप से बिहार और उत्तर प्रदेश से होते है वो अमानवीय परिस्थितियों में कार्य कर रहे हैं और अनेक मामलों में उनकी मौत के बाद शवों को स्वदेश नहीं भेजा जाता, जिससे उनके परिवारों को भीषण मानसिक और आर्थिक संकट झेलना पड़ता है ।राजीव प्रताप रूडी ने बताया कि 2012 से 2018 के बीच खाड़ी देशों में 24,570 भारतीय श्रमिकों की मृत्यु हुई, जो कि प्रतिदिन औसतन 10 मौतें है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि मृतकों के परिवारों के लिए एक विशेष कल्याण कोष स्थापित किया जाए और द्विपक्षीय समझौतों को सशक्त बनाया जाए जिससे श्रमिकों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकार सुनिश्चित किए जा सकें। इस पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा हाल ही में भेजे गए विस्तृत उत्तर में सरकार की ओर से इस विषय पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। विदेश मंत्री ने बताया कि भारतीय दूतावासों और उच्चायोगों में स्थापित भारतीय सामुदायिक कल्याण निधि के माध्यम से प्रवासी भारतीयों को संकट की स्थिति में सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें कानूनी सहायता, शव की वापसी, आपातकालीन चिकित्सा देखभाल, और आवश्यक स्थिति में जुमार्ना अदा करना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा श्रमिक कल्याण समझौते, प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी समझौते, और सामाजिक सुरक्षा समझौते जैसे उपायों के माध्यम से प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। खासकर महिला श्रमिकों और घरेलू कामगारों के लिए केवल राज्य सरकार द्वारा अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से विदेश भेजे जाने की नीति और न्यूनतम आयु 30 वर्ष की शर्त भी लागू की गई है, ताकि उनका शोषण रोका जा सके। बिहार में प्रवासी श्रमिकों के संबंध में श्री रूडी के प्रयास लगातार सक्रिय और व्यावहारिक रहे हैं। उनके कार्यालय द्वारा संचालित नियंत्रण कक्ष में प्रतिदिन बिहार के विभिन्न जिलों, जैसे भोजपुर, सिवान, गोपालगंज, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, शिवहर, रोहतास आदि से सहायता हेतु कॉल प्राप्त होते हैं। विदेशों में फँसे श्रमिकों, वेतन विवाद, मृत्यु की स्थिति में शव लाने, महिला श्रमिकों की सुरक्षा जैसी समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाया जाता है। कई मामलों में तो राजीव प्रताप रूडी ने स्वयं पहल कर परिजनों को राहत दिलाई है। इसी प्रकार का मामला सिवान निवासी एक प्रवासी श्रमिक की दुबई में मृत्यु के बाद, श्री रूडी ने भारतीय दूतावास से समन्वय कर न केवल शव स्वदेश मँगवाया बल्कि आर्थिक सहायता भी दिलवाई। भोजपुर जिले के एक युवक की ओमान में मृत्यु होने पर, सांसद ने तत्परता से शव मँगवाने की प्रक्रिया को तेज किया। दरभंगा जिले के एक श्रमिक की कतर में कानूनी फँसावट पर कानूनी सहायता उपलब्ध करवाई गई। गोपालगंज निवासी युवक की केरल के कोच्चि में दुर्घटना में मृत्यु पर सांसद ने स्थानीय प्रशासन से समन्वय कर शव को हवाई मार्ग से परिजनों तक पहुँचाया। वैशाली, मधुबनी और रोहतास के भी कई मामलों में सांसद ने विदेश मंत्रालय, दूतावासों और राज्य सरकारों से समन्वय कर पीड़ित परिवारों को सहायता दिलवाई है।

प्रशांत किशोर को ₹ पैसा किशोर कहकर राजस्व मंत्री ने अपने विभाग के भ्रष्टाचार को छुपाया : साहब मलिक

डबल इंजन की सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर, बिना पैसा दिए नहीं होता जनता का काम

पवन कुमार चौधरी

मुंगेर। जनसुराज प्रदेश कोर कमिटी सदस्य सह बेगुसराय प्रभारी मोहमद साहब मालिक ने अपने बयान में कहा है कि सोमवार को मुंगेर पहुंचे राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर को पैसा किशोर कह कर शायद बिहार के उन करोड़ों जनता का अपमान किया है, जिनकी उम्मीदें प्रशांत किशोर से जुड़ी है। शायद बयान देने के पहले इस बात को वे भूल गए कि उनके विभाग में पूरे बिहार में भ्रष्टाचार चरम पर है। बयान देने के पहले मंत्री को भी ये बात बताना चाहिए कि राजस्व विभाग में बिना पैसा के बिहार की जनता का कोई काम नहीं होता है। मंत्री को ये भी शायद पता नहीं है कि उनके विभाग के सीओ के ट्रांसफर और पोस्टिंग का सौदा कितने करोड़ मे होता है। श्री मलिक ने ये भी आरोप मंत्री पर लगाया कि आज पूरे बिहार में जमीन सर्वे के नाम पर मंत्री को महीने में कितना पैसा राजस्व विभाग पहुंचाती है। इसका खुल्लम खुल्ला उदाहरण हमारे नेता जब मनाए मुख्यमंत्री के गांव कल्याण बीघा में जाकर जनता से रूबरू होते है, तो जनता कहती है कि जमीन सर्वे के नाम पर राजस्व विभाग के कोई भी कर्मचारी बगैर पैसा लिए कोई भी काम करने को तैयार नहीं है। शायद मंत्री को ये भी पता नहीं होगा जब प्रशांत किशोर कल्याण बीघा की भोली- भाली जनता से मिल रहे थे, तो तमाम जनता यही कह रह थी राजस्व

विभाग में लूट मची है, जो डबल इंजन की सरकार सदन के पटल पर बिहार की जनता से वादा किया था कि 94 लाख लोगों को दो-दो लाख रुपए देंगे और दलित महादलित को तीन डिसमिल जमीन देंगे, ये तमाम वादों को मंत्री छुपा कर प्रशांत किशोर के नाम को पैसा किशोर कह कर प्रेस के सामने अपनी तमाम राजस्व विभाग की कमी को छिपाया है। मलिक ने आगे कहा है कि आने वाले 2025 के चुनाव में तमाम बिहार की गरीब जनता डबल इंजन की सरकार का दंश झेल रही है। बिहार की आम जनता अपने वोट के बलबूते इस डबल इंजन की सरकार को बिहार से उखाड़ फेकेगी और जनता का सुंदर राज स्थापित करेगी। मलिक ने कहा है कि ऐसे गलत बयानबाजी के लिए राजस्व विभाग के मंत्री को बिहार की जनता से माफी मांगनी चाहिए। इस प्रेस वार्ता में जनसुराज युवा नगर अध्यक्ष मोहमद मुजाहद, कपिल देव पासवान,राजकुमार मंडल, मोहमद कमरूल हुदा आदि उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पलायन और गरीबी में बिहार नंबर वन, तेजस्वी यादव का आरोप- जो अधिकारी बिहार को लूटने में लगे, वे

बिहार: बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव (Tejashwi Yadav) ने आज कहा कि बिहार गरीबी, पलायन, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी में नंबर वन है।

बिहार में अपराध चरम पर-Tejashwi Yadavतेजस्वी यादव (Tejashwi Yadav) ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सबसे ज्यादा पलायन बिहार से होता है। सबसे ज्यादा गरीबी बिहार में है। उन्होंने प्रदेश की विधि व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार में अपराध चरम पर है। प्रतिदिन कोई ना कोई घटना अपराधियों के द्वारा की जाती है। अब तो अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे लोग पुलिस का ही एनकाउंटर करने लगे है। विधि-व्यवस्था लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो अधिकारी बिहार को लूटने में लगे हुए हैं, वही लोग मुख्यमंत्री के साथ रहते हैं। ये लोग बिहार को लूटने का काम कर रहे हैं। अफसरशाही चरम पर है।जनप्रतिनिधियों की बातों को अधिकारी नहीं सुनते हैं।

यदि प्रदेश में हमारी सरकार बनती है तो...Tejashwi Yadav

राजद नेता तेजस्वी यादव (Tejashwi Yadav) ने कहा कि पैरामिलिट्री फोर्स के जो जवान आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद होते हैं, उन्हें शहीद का दर्जा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये लोग देश की रक्षा करते हैं। अपने जान की बाजी लगाते हैं। ऐसे में इन्हें शहीद का दर्जा मिलना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश में उनकी सरकार बनती है तो भ्रष्टाचार खत्म किया जाएगा, मां-बहन योजना लागू की जाएगी, जिसके तहत सीधे खाते में पैसे भेजे जाएंगे। अपराधियों पर नकेल कसी जाएगी। युवाओं को रोजगार मिलेगा।

महिला संवाद के 33वें दिन गूंजा नारी शक्ति का स्वर, श्रवण कुमार ने की महिलाओं से सीधी बात

पटना: महिला संवाद कार्यक्रम के 33 वें दिन राज्य भर के सभी 534 प्रखंडों में उत्साहपूर्ण तरीके से इसका आयोजन किया गया। अबतक 37 हजार से अधिक स्थलों पर इस कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक प्रति दिन दो पालियों में किया जा रहा है। इसमें भाग लेने हेतु महिलाओं की उमड़ती भीड़ इस बात की परिचायक है कि यह कार्यक्रम अपने उद्देश्य की पूर्ति में सफल हो रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को शेखपुरा जिले के बरबीघा प्रखंड अंतर्गत सुभानपुर में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री, श्रवण कुमार ने भाग लिया और उपस्थित सैकड़ों महिलाओं के साथ बिहार सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों और योजनाओं पर संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जीविका दीदियों के लिए बिहार सरकार ने सहकारी बैंक के स्थापना की अनुमति दे दी है। अब जीविका दीदी इसके संचालन के साथ-साथ असानी से लोन और पैसे की जमा-निकासी कर सकेंगी। हर जिले के सदर एवं अनुमंडल अस्पताल से लेकर प्रखंड कार्यालयों के परिसर में दीदी की रसोई और कैंटीन की स्थापना की जा रही है। इसके साथ-साथ सरकार अब 10वीं, 12वीं तक के सभी सरकारी विद्यालयों के पोशाक की सिलाई भी जीविका दीदियों को तैयार करने को दे रही है। श्रवण कुमार ने अपने संबोधन में कहा, ₹नारी के सहयोग बिना हर समाज में किसी भी प्रकार का बदलाव पूर्ण नहीं हो सकता है। इसी उद्देश्य के साथ बिहार सरकार महिलाओं के समग्र सशक्तिकरण हेतु तत्पर है और शिक्षा के साथ-साथ नौकरी में भी आरक्षण का लाभ महिलाएं लेकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि, ₹शिक्षा के क्षेत्र में आंगनबाड़ी से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई में सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहयोग कर रही है। स्कूल में मध्यान भोजन की व्यवस्था, मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना, मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना, मुख्यमंत्री मेधावृत्ति योजना, कन्या उत्थान योजना के माध्यम से युवतियों को पढ़ाई करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। पुराने सभी पंचायत स्तर के हाई स्कूल अब 10+2 हाई स्कूल किये जा चुके हैं। आज इन सभी योजनाओं की बदौलत लड़कियां पढ़ रही हैं, प्रतियोगी परीक्षाएं निकालकर पुलिस, बीडीओ और शिक्षक एवं अन्य पदों पर सेवारत है इस कार्यक्रम के दौरान बिहार सरकार की मुख्यमंत्री मेधावृत्ति योजना का लाभ ले कर अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद आरक्षण का लाभ ले गांव की प्रीति कुमारी का चयन बिहार पुलिस में हुआ है, जो अगले माह से प्रदेश को अपना सेवा प्रदान करेंगी। जिसकी मंत्री ने काफी सराहना की। इसके साथ-साथ वर्तमान में शेखपुरा महिला थाना में पदस्थापित थाना प्रभारी अनामिका कुमारी एवं उत्पाद थाना में पदस्थापित निशा कुमारी ने भी अपने छात्र से नौकरी तक आने के अनुभव साझा किया। उल्लेखनीय है कि 18 अप्रैल, 2025 को मुख्यमंत्री, बिहार, नीतीश कुमार के कर कमलों द्वारा पटना से बटन दबाकर ह्यमहिला संवादह्ल कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया था। राज्य सरकार माननीय मुख्यमंत्री के दिशा-निदेश में न्याय के साथ विकास के अपने सिद्धांत के संकल्प के साथ नित्य-निरंतर जन-कल्याण के कार्य कर रही है। इसका आयोजन 70,000 से अधिक स्थानों पर राज्य भर में होने वाला है जिसमें 2 करोड़ से अधिक महिलाएं भाग लेंगी।

शॉट वन टेक वन,बिहार में गूंज रहा क्लैप बोर्ड का शोर,14 फिल्मों की शूटिंग को मिली मंजूरी

पटना:लाइट, कैमरा, एक्शन...अब ये शब्द सिर्फ मुंबई या हैदराबाद तक सीमित नहीं रह गए हैं। भारत की ज्ञान-भूमि बिहार, अब धीरे-धीरे सिनेमा की पटकथा का भी हिस्सा बनती जा रही है। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नई फिल्म पॉलिसी के कारण बिहार फिल्मों की शूटिंग का नया हॉटस्पॉट बन गया है। भोजपुरी, हिंदी, मैथिली, मगही से लेकर अंग्रेजी फिल्मों तक की शूटंग अब बिहार की मिट्टी पर हो रही है। फिलहाल राज्य में 14 फिल्मों को शूटिंग की अनुमति मिल चुकी है, जिनमें से कई की शूटिंग पूरी हो चुकी है और कुछ पर कार्य जारी है। इन फिल्मों की शूटिंग से न सिर्फ राज्य के फिल्म निर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन मिला है। बल्कि स्थानीय पर्यटन और रोजगार को भी नया बल मिला है। इतना ही नहीं राज्य में बहुत जल्द ही डॉक्यूमेंट्री एवं शार्ट फिल्म फेस्टिवल होने जा रहा है। इसके लिए कई फिल्मों का चुनाव हो चुका है और कई फिल्मों का चुनाव अभी जारी है।

पहला फिल्म सेट और स्टूडियो

बिहार अब स्थायी फिल्म निर्माण संबंधी संरचनाएं भी विकसित कर रहा है। वाल्मीकी नगर में राज्य का पहला फिल्म सेट बन रहा है, जहां सागर श्रीवास्तव की हिंदी फिल्म ह्यटियाह्ल की शूटिंग हो रही है। इसके अलावा जहानाबाद के काको स्थित पाली में हैदर काजमी स्टूडियो स्थापित हुआ है, जहां कई फिल्मों की शूटिंग चल रही है। काजमी खुद एक चर्चित अभिनेता और निर्देशक हैं।

इन जिलों में हो रही शूटिंग

फिल्मों की शूटिंग नालंदा, नवादा, गया, पटना, बगहा, रोहतास, वैशाली, सीतामढ़ी, दरभंगा और जहानाबाद जैसे जिलों में की जा रही है। इससे इन जिलों को पर्यटन और स्थानीय व्यवसाय की दृष्टि से लाभ मिल रहा है।

ओह माय डॉग/ सेनापति की शूटिंग पूरी

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी की फिल्म ह्यओह माय डॉग/ सेनापति की शूटिंग पटना के विभिन्न लोकेशनों पर संपन्न हो चुकी है। फिल्म निर्माण कंपनी जार पिक्चर एलएलपी ने इस सहयोग के लिए बिहार फिल्म निगम को धन्यवाद भी दिया है।

फिल्म शिक्षा की भी शरूआत

बिहार फिल्म नीति केवल शूटंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह फिल्म शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। हाल ही में बिहार दिवस के अवसर पर आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध अभिनय प्रशिक्षक हेमंत माहौर की तरफ से मास्टर क्लास का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। इसके साथ ही पुणे फिल्म संस्थान, सत्यजीत रे फिल्म संस्थान तथा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में अध्ययनरत बिहार के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना भी प्रारंभ की गई है। अभी तक एक छात्र आशीष कुमार को छात्रवृत्ति प्रदान की जा चुकी है और अन्य कई आवेदनों की प्रक्रिया जारी है।

अनुदान योजना: 4 करोड़ तक की सहायता

बिहार फिल्म पॉलिसी के तहत यदि कोई फिल्म 75 प्रतिशत से अधिक शूटिंग बिहार में करती है, तो उसे 4 करोड़ रुपये तक का अनुदान राज्य सरकार की ओर से दिया जाता है। इस पहल ने कई फिल्म निमार्ताओं को बिहार की ओर आकर्षित किया है। अब तक इन फिल्मों को मिली है शूटिंग की मंजूरी संघतिया झ भोजपुरी द लांग जर्नी होम अंग्रेजी एवं भोजपुरी बिहार का जलवा हिंदी (डॉक्यूमेंट्री) सहागिन के सेनूर भोजपुरी

लाइफ लीला हिंदी (वेब सीरीज) जिनगी बीतवनी तोहरे प्यार में झ भोजपुरी घर का बंटवारा झ भोजपुरी नारी भोजपुरी रजनी की बारात हिंदी ओह माय डॉग/ सेनापति हिंदी टिया झ हिंदी सुगनी मगही छठ झ भोजपुरी पेन ब्रश हिंदी बिहार में फिल्म उद्योग का यह नवोदय न केवल रचनात्मक अभिव्यक्ति का नया माध्यम बन रहा है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार, तकनीकी प्रशिक्षण और पर्यटन क्षेत्र में भी नए रास्ते खोल रहा है। स्पष्ट है, अब बिहार सिर्फ साहित्य और संस्कृति की भूमि नहीं, बल्कि सिनेमा की नई प्रयोगशाला के रूप में उभर रहा है।

रुपये 18 पैसे चढ़ा

मुंबई। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज के अमेरिकी सरकार की रेटिंग घटाने से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 18 पैसे की मजबूती के साथ 85.39 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 85.57 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 12 रुपये की तेजी के साथ 85.45 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली से 85.35 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली होने से यह 85.62 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 85.57 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 18 पैसे की मजबूती के साथ 85.39 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

अब दिल्ली मेट्रो की टिकट उबर ऐप से होगी बुक

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी उबर के ऐप से अब दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) की टिकटें बुक की जा सकेंगी।इसके लिए उबर ने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के साथ करार किया है। यह सुविधा यात्रियों को क्यूआर कोड और एपीआई-सक्षम भुगतान के माध्यम से टिकट बुक करने में सक्षम बनाएगी, जिससे उन्हें मेट्रो सफर के लिए अलग ऐप या लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा। उबर के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर (मोबिलिटी और डिलीवरी) प्रवीण नेपल्ली नागा ने कहा, भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में गहराई से शामिल होना हमारी रणनीति का अहम हिस्सा है। ओएनडीसी की मदद से हम मेट्रो सेवाओं को सीधे उबर प्लेटफॉर्म पर ला पाए हैं। उबर की योजना है कि जल्द ही तीन और शहरों में भी मेट्रो टिकटिंग सुविधा शुरू की जाए। उबर ने सिर्फ सार्वजनिक परिवहन तक ही खुद को सीमित नहीं रखा है। कंपनी ने ओएनडीसी के साथ नए लॉजिस्टिक्स मॉडल वी2बी उबर के तहत डिलीवरी सेवाओं के विस्तार की भी घोषणा की है। यह कदम 14 लाख डिलीवरी साझेदार के नेटवर्क को और मजबूत बनाएगा।उल्लेखनीय है कि ओएनडीसी प्लेटफॉर्म का नो-कमीशन मॉडल डिलीवरी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और किफायती बना रहा है। उबर ने फरवरी में इस मॉडल को ऑटोरिक्शा सेवाओं में अपनाया, जहां चालक और सवारी के बीच सीधे किराए की बातचीत होती है और भुगतान आमतौर पर यूपीआई या नकद से किया जाता है।

अमेरिकी सीनेट से स्टेबलक्वाइन को नियंत्रित करने वाले कानून को मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका की सीनेट ने स्टेबलक्वाइन नाम की क्रिप्टोकरेंसी को नियंत्रित करने वाले कानून को आगे बढ़ाने के लिए मंजूरी दे दी है। सोमवार को हुए इस प्रक्रियात्मक मतदान में 66 सीनेटरों ने पक्ष में और 32 ने विरोध में वोट दिया। दो हफ्ते पहले डेमोक्रेट्स ने इसे रोक दिया था, लेकिन अब कुछ बदलावों के बाद उन्होंने समर्थन दिया। स्टेबलक्वाइन एक प्रकार की क्रिप्टोकरेंसी है, जिसकी कीमत अमेरिकी डॉलर या सोने जैसी असली संपत्तियों से जुड़ी होती है। इसका मूल्य आमतौर पर 1 डॉलर के बराबर रहता है, जिससे यह अन्य क्रिप्टोकरेंसी की तुलना में स्थिर और व्यापार में उपयोगी होती है। इस उद्योग की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और जोखिमों को देखते हुए, इसे एक सुसंगत केंद्रीय कानून के तहत लाना जरूरी माना जा रहा है। इस कानून को लेकर विवाद इसलिए भी हुआ क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार की कई क्रिप्टो परियोजनाओं से सीधा संबंध है। ट्रंप ने हाल ही में एक 'मेम क्वाइन' लॉन्च किया है जिससे 32 करोड़ डॉलर से ज्यादा की कमाई हुई है। उनकी एक पारिवारिक कंपनी 'वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल' ने भी SDv नाम से एक स्टेबलक्वाइन शुरू किया है, जिसे अब अरब देशों से बड़ा निवेश मिल रहा है।

म्यूचुअल फंड उद्योग ने छुआ नया शिखर, एयूएम 65.74 लाख करोड़ और एसआईपी निवेश में 45फीसदी की छलांग

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग की संपत्तियों (एयूएम) का आकार 2024-25 में सालाना आधार पर 23 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 65.74 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 2023-24 में एयूएम 53.40 लाख करोड़ था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, इक्विटी एवं डेट बाजारों में तेजी के बीच शुद्ध 8.15 लाख करोड़ के मजबूत प्रवाह और निवेश के बाजार मूल्य (एमटीएम) में वृद्धि से होने वाले लाभ के कारण एयूएम बढ़ा है।संपत्ति आधार में तेज उछाल निवेशकों और म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती संख्या में भी देखने को मिला है। इस अवधि में म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या रिकॉर्ड 23.45 करोड़ पहुंच गई और निवेशक आधार भी करीब 5.67 करोड़ हो गया।? सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश 2024-25 में सालाना आधार पर 45.24 फीसदी बढ़कर 2.89 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। एमटीएम लाभ के साथ इस पर्याप्त वृद्धि ने एसआईपी परिसंपत्तियों को 24.6 फीसदी बढ़ाकर 13.35 लाख करोड़ रुपये कर दिया।

इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर्स की स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री, मामूली मुनाफे में निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। बिल्डिंग्स, सड़क और पुल बनाने वाली कंपनी इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवलपर्स लिमिटेड की फीकी एंट्री ने आज कंपनी के आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री महज 0.80 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 100.80 रुपये के स्तर पर हुई। फीकी लिस्टिंग के बाद भी इस शेयर के कारोबार में कोई खास जोश नजर नहीं आ रहा है। सुबह 10.30 बजे तक कंपनी के शेयर लिस्टिंग प्राइस से 1 रुपये बढ़ कर 101.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक सिर्फ 1.80 प्रतिशत का मुनाफा हासिल कर सके हैं। इंटेग्रिटी इंफ्राबिल्ड डेवेलपर्स का 12 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 15 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को

निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.17 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 12 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी और इक्विपमेंट्स खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद लगातार मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 30 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में घट कर 29 लाख रुपये हो गया। हालांकि 2023-24 में कंपनी ने अच्छी ग्रोथ दर्ज की, जिसके कारण शुद्ध लाभ बढ़ कर 95 लाख रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2021-22 में में कंपनी को 33.48 करोड़ रुपये, 2022-23 में 43.48 करोड़ रुपये और 2023-24 में 64.63 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। अगर पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें तो अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच कंपनी को 1.94 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 98.97 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल कर चुकी है।

रसना ने 350 करोड़ में 'जंपिन' ब्रांड का अधिग्रहण कर रेडी-टू-ड्रिंक बाजार में रखा कदम

एजेंसी

मुंबई। देश की अग्रणी इंस्टेंट बेवरेज निर्माता कंपनी रसना प्राइवेट लिमिटेड ने 350 करोड़ रुपये में प्रतिष्ठित ब्रांड 'जंपिन' का अधिग्रहण कर देश के तेजी से बढ़ते रेडी-टू-ड्रिंक (आरटीडी) सेगमेंट में आधिकारिक रूप से प्रवेश कर लिया है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि 350 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर स्वतंत्र रूप से किया गया यह अधिग्रहण रसना की गैर-कार्बोनेटेड पेय श्रेणी को और मजबूती देगा। यह कंपनी के दीर्घकालिक पोर्टफोलियो विविधीकरण तथा ब्रांड समेकन रणनीति का हिस्सा है।पूर्व में गोदरेज समूह द्वारा लॉन्च किया गया 'जंपिन' 1980 के दशक में भारत का पहला टेट्रापैक ब्रांड था, जिसे उसकी स्वादिष्ट पेशकशों और यादगार विज्ञापनों के लिए उपभोक्ताओं का भरपूर प्यार मिला। अब रसना द्वारा अधिग्रहण किए जाने के बाद जंपिन को भारतीय फलों के रस से बने एक प्रीमियम, पौष्टिक और स्वादिष्ट पेय के रूप में पुनः लॉन्च किया जा रहा है। यह उत्पाद आधुनिक खुदरा चैनलों, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और रसना के व्यापक ग्रामीण वितरण नेटवर्क के जरिए भारत भर में उपलब्ध होगा। रसना ग्रुप के अध्यक्ष पिरुज खंबाटा ने कहा, जंपिन का अधिग्रहण हमारे विकास पथ में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो को समृद्ध करेगा बल्कि 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने वाली हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। नए जमाने के उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए जंपिन को 250 मिलीलीटर (मिली), 600 मिली और 1.2 लीटर पीईटी बोतलों में तथा 125 मिली, 200 मिली और एक लीटर के टेट्रा पैक में लॉन्च किया जाएगा। मैंगो, लेमन, लीची और अमरूद जैसे लोकप्रिय फ्लेवर्स के साथ शुरुआत करते हुए ब्रांड का लक्ष्य प्रमुख शहरी और क्षेत्रीय बाजारों में मजबूत उपस्थिति बनाना है, जिसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किया जाएगा।

आर्थिक मामलों के विभाग ने ब्रोकरों के लिए कारोबार में आसानी बढ़ाने के लिए नियमों में किया संशोधन

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने ब्रोकरों के लिए कारोबार करने में आसानी बढ़ाने के लिए विनियामक स्पष्टता प्रदान करते हुए नियमों में संशोधन किया है। आर्थिक मामलों के विभाग ने प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियमावली, 1957 के नियम-8 में यह संशोधन किया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) ने राजपत्र अधिसूचना जीएसआर 318 (ई) के जरिए प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियमावली (एससीआरआर), 1957 के नियम 8 में संशोधन किया है। इस संशोधन से ब्रोकरों को व्यापार करने में सुगमता बढ़ाने के लिए विनियामक स्पष्टता प्राप्त होती है। मंत्रालय के मुताबिक उक्त नियमों में कुछ प्रावधानों पर विभिन्न हितधारकों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर ध्यान देने के बाद डीईए ने सितंबर, 2024 में हितधारकों की टिप्पणियों को आमंत्रित करते हुए एक परामर्श पत्र (नियम 8 एससीआरआर (1957) पीडीएफ) सार्वजनिक टिप्पणियों के

लिए परामर्श पत्र) जारी किया था। वित्त मंत्रालय ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र के परिमाण और परस्पर अंतर्संबंधों में वृद्धि तथा समय के साथ ब्रोकरों के व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए, डीईए ने नियमों में सन्निहित सुरक्षा उपायों की उपयुक्तता की समीक्षा करना आवश्यक समझा, जिससे कि हितधारकों के कार्यकलापों को बाधित किए बिना नियमों का आशय पूरा हो सके। मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन हितधारकों से प्राप्त फीडबैक पर उचित विचार-विमर्श के बाद किया गया है तथा यह वित्तीय क्षेत्र में नियामक स्पष्टता प्रदान करने और व्यवसाय करने में सुगमता बढ़ाने पर सरकार द्वारा दिए जा रहे बल का हिस्सा है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करेगा कि बाजार से जुड़ी मध्यवर्ती संस्थाएं एक पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से भारत के पूंजी बाजारों के विकास में सहायता करना जारी रखें।

जीईएम पोर्टल पर जल्द ही दर अनुबंध, वैश्विक निविदा सुविधाएं जुड़ेंगी : सीईओ

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर जल्द ही दर अनुबंध और वैश्विक निविदा कार्यक्षमताओं को भी शामिल किया जायेगा, ताकि इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सके। फिलहाल, ये सुविधाएं जीईएम पोर्टल पर नहीं हैं। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मिहिर कुमार ने जीईएम के 8वें निगमन दिवस पर कहा कि जीईएम में हम सरलीकरण और परिवर्तन को सशक्त बनाने के लिए नवाचार कर रहे हैं। वैश्विक निविदा कार्यक्षमता से अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं या विदेशी विक्रेताओं से लेनदेन संभव हो सकेगा। यह प्लेटफॉर्म 2025-26 में 7 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन की सुविधा प्रदान करने पर विचार कर रहा है, जबकि 2024-25 में यह 5.42 लाख करोड़ रुपये था। वर्तमान में वार्षिक खरीद का 40-50 फीसदी हिस्सा इस पोर्टल के माध्यम से हो रहा है। मिहिर कुमार ने कहा कि हम इन सुविधाओं को

जोड़ने के लिए काम कर रहे हैं। इसी तरह दर अनुबंध के तहत सरकारी खरीदार एक तय अवधि में पूर्व निश्चित कीमतों पर सामान और सेवाएं खरीद सकेंगे। ऐसे में बार-बार बोली लगाने की जरूरत कम हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जीईएम के दायरे को और व्यापक बनाने के तरीकों पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जीईएम ने सार्वजनिक क्षेत्र में भारत का पहला जीईएनएआई चैटबॉट लॉन्च किया है। कुमार ने बताया कि 10 लाख से अधिक सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई), 1.3 लाख कारीगर और बुनकर, 1.84 लाख महिला उद्यमी और 31,000 स्टार्टअप अब जीईएम इकोसिस्टम का हिस्सा हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक हाल के वर्षों में जीईएम के उपयोगकर्ता आधार में तीन गुना वृद्धि देखी गई है।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 95,520 रुपये से लेकर 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 87,560 रुपये से लेकर 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 98,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 95,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोने की कीमत 87,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 95,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 95,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 87,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 95,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 87,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इंडसइंड बैंक ने एआईसी एसटीपीआई नेक्स्ट से किया करार

एजेंसी

मुंबई। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए इंडसइंड बैंक ने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के एआईसी एसटीपीआईनेक्स्ट के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह साझेदारी शुरुआती चरण के स्टार्टअप और एमएसएमई को वित्तीय समाधान, विशेषज्ञ सलाह और संरचनात्मक सहयोग प्रदान करने पर केंद्रित है। इस सहयोग के तहत इंडसइंड बैंक एसटीपीआईनेक्स्ट से जुड़े स्टार्टअप को बिना न्यूनतम शेष राशि की शर्त वाले विशेष चालू खाता सुविधा, मुफ्त पेरोल और उपस्थिति प्रबंधन सेवाएं, और वित्तीय प्रबंधन से जुड़ी कार्यशालाओं के माध्यम से मजबूत सहयोग देगा।इन कार्यशालाओं में बैंकिंग मूल बातें, इक्विटी निवेश, ईएसओपी और विभिन्न सेगमेंट-आधारित फंडिंग मॉडलों पर मार्गदर्शन शामिल होगा। यह पहल देश में नवाचार को प्रोत्साहित करने और स्टार्टअप को आत्मनिर्भर एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। दोनों संस्थाएं मिलकर ऐसा सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने की दिशा में अग्रसर हैं, जहां नए विचार फले-फूलें और भारत की आर्थिक प्रगति में सक्रिय योगदान दें।

आयात पर रोक से बांग्लादेश को 770 मिलियन डॉलर का झटका : जीटीआरआई

एजेंसी

कोलकाता। भारत द्वारा बांग्लादेश से आयातित कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने के फैसले से पड़ोसी देश को लगभग 770 मिलियन डॉलर का झटका लगने वाला है, जो कि दोनों देशों के बीच कुल आयात का करीब 42 प्रतिशत है। यह जानकारी ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के ताजा विश्लेषण में सामने आई है।

बांग्लादेश से वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य और प्लास्टिक उत्पादों जैसे प्रमुख आयातित सामान अब केवल कुछ सीमित समुद्री बंदरगाहों से ही भारत में आ सकेंगे या फिर पूरी तरह भूमि सीमा से प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से 17 मई को जारी आदेश के अनुसार यह कदम भारत की व्यापार नीति में एक अहम मोड़ का संकेत है, जिसमें स्पष्ट रूप से राजनीतिक कूटनीतिक झुकाव का जवाब प्रतीत होता है। बांग्लादेश से आयातित वस्त्र, जिसकी वार्षिक लागत करीब

618 मिलियन डॉलर है, अब केवल कोलकाता और न्हावा शेवा बंदरगाहों के माध्यम से ही भारत में प्रवेश कर सकेंगे। इससे बांग्लादेश की मुख्य भूमि व्यापार गलियारों तक पहुंच लगभग बंद हो जाएगी। यह निर्णय विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की सिफारिश पर लिया गया है और इसे भारत की एक रणनीतिक प्रतिक्रिया माना जा रहा है। दिसंबर 2024 से बांग्लादेश ने भारतीय वस्तुओं पर कई व्यापारिक प्रतिबंध लगाए हैं। अप्रैल में उसने पांच प्रमुख स्थल सीमा बंदरगाहों से भारतीय सूती धागे के आयात पर रोक लगाई । चावल के निर्यात पर कड़े नियंत्रण किए और तंबाकू, मछली और दूध पाउडर समेत दर्जनों भारतीय वस्तुओं पर रोक लगा दी। इसके अलावा, बांग्लादेश ने भारतीय कार्गो पर 1.8 टका प्रति टन प्रति किलोमीटर का ट्रांजिट शुल्क भी लगा दिया, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत और अधिक बढ़ गई।

संदेश छिपा है। जीटीआरआई ने कहा कि यह फैसला अचानक नहीं लिया गया है, बल्कि यह बांग्लादेश द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए प्रतिबंधों और चीन की ओर उसके

एलआईसी के नामित निदेशक राज कुमार आईडीबीआई बैंक के बोर्ड से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के नामित निदेशक राज कुमार 18 मई से भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) बोर्ड की सदस्यता से बाहर हो गए हैं। आईडीबीआई बैंक ने एक नियामक फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि राज कुमार 18 मई को अपना कार्यकाल पूरा होने पर आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के बोर्ड की सदस्यता से बाहर हो गए हैं, जिससे वे एलआईसी में नामित निदेशक नहीं रहेंगे।

सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) आईडीबीआई बैंक के प्रवर्तक हैं, जिनकी हिस्सेदारी 94.71 फीसदी है। एलआईसी के पास 49 फीसदी से थोड़ा अधिक हिस्सेदारी है, जिसमें सरकार की हिस्सेदारी 45.48 फीसदी है। आईडीबीआई बैंक भारत

के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक है। यह देश का चौथा सबसे बड़ा बैंक है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस बैंक को 'अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक' की श्रेणी में रखा है। आईडीबीआई बैंक के शेयर आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर पिछले बंद भाव से 3.45 अंक यानी 4.01 फीसदी बढ़कर 89.46 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे।

भारत का विनिर्माण क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक,अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति में बदलावों से लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अपने विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। वैश्विक व्यापार नीति में बदलावों से भारत को लंबे समय में लाभ होगा। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया ने सोमवार को एक अध्ययन में कहा, अर्थव्यवस्थाओं के खुद को बदलते व्यापार के हिसाब से ढालने एवं शुल्क चुनौतियों के अनुकूल होने के साथ भारत विनिर्माण बढ़ाने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण के लिए इस मौके का लाभ उठा सकता है। स्थानीय स्तर पर काम कराने, बाजारों से निकटता और क्षेत्रीय एकीकरण से इस क्षेत्र में अतिरिक्त निवेश आएगा।?इससे भारत की तकनीकी उन्नति और विनिर्माण प्रतिस्पर्धा में तेजी आएगी।? अध्ययन में कहा गया है कि आगे चलकर वैश्विक व्यापार नीति में बदलाव से आपूर्ति श्रृंखला में विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा, जो भारत के लिए काफी लाभकारी साबित होगा। इस दौरान विनिर्माण क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसर तैयार होंगे। एसएंडपी ग्लोबल ने कहा, 2024-25 में वास्तविक जीडीपी की धीमी वृद्धि के बावजूद भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। हालांकि, वृद्धि के लिहाज से भारत की बाहरी व्यापार पर कम निर्भरता है।

सप्ताह के पहले दिन कंसोलिडेशन के मूड में दिखा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले दिन ही कंसोलिडेशन होता हुआ नजर आया। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली जुली शुरुआत हुई। पूरे दिन के कारोबार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। इस खींचतान में अंततः बिकवालों का पलड़ा भारी रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.33 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। आईटी, टेक, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 443.58 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.84 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 74 हजार करोड़ रुपये का फायदा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,273 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,524 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,571 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 178 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,625 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,654 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 971 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 24.33 अंक की मामूली बढ़त के साथ 82,354.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद 93.51 अंक की मजबूती के साथ 82,424.10 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाल हावी हो गए। इस बिकवाली की वजह से यह सूचकांक 366.02 अंक टूट कर 81,964.57 अंक तक गिर गया। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 90 अंक से अधिक की रिकवरी करके 271.17 अंक की कमजोरी के साथ 82,059.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 14.45 अंक की गिरावट के साथ 25,005.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 43.15 अंक की मजबूती के साथ 25,062.95 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 103.15 अंक टूट कर 24,916.65 अंक तक गोता भी लगाया।

पहले पहना 1300 करोड़ का ताज, अब फटी हुई ड्रेस में कान्स के रेड कार्पेट पर दिखीं

उर्वशी रौतेला

कान फिल्म फेस्टिवल में कई सारे सितारे शामिल हुए हैं, जिनको लेकर काफी चर्चा की जा रही है. हालांकि, कुछ वक्त पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपने लुक को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रही थीं. हालांकि, इक बार फिर एक्ट्रेस अपनी कान फिल्म फेस्टिवल की ड्रेस को लेकर खबरों में बन गई हैं, ये इसलिए क्योंकि एक्ट्रेस के साथ उप्स मोमेंट हो गया है. दरअसल, उर्वशी ने रेड कार्पेट पर ब्लैक कलर की ड्रेस पहनी हुई थी, जो कि साइड से फटी दिख रही है.

कान फिल्म फेस्टिवल में उर्वशी पहले पैरेट लुक में दिखी थीं, उन्होंने साथ में तोते जैसा ही एक क्लच भी लिया हुआ था. हालांकि, उनके पहले लुक को लेकर लोगों ने उन पर तरह-तरह की टिप्पणियां की. लेकिन, जब एक्ट्रेस दोबारा रेड कार्पेट पर नजर आईं, तो इस दौरान उन्होंने ब्लैक कलर का प्लेन सा गाउन पहना हुआ था पर दोबारा से लोगों ने उन्हें ट्रोल कर दिया है. दरअसल, एक्ट्रेस ने जो ड्रेस पहनी है वो फटी हुई है.

जानबूझकर किया है

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उर्वशी का वीडियो वायरल हो रहा है. इस वीडियो में उनकी ड्रेस के छेड को आराम से देखा जा सकता है. हालांकि, लोगों ने इसको लेकर भी उर्वशी का मजाक ही बनाया है. एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है कि लग रहा है कि जानबूझकर किया है, ताकि हेडलाइन्स में आ सके. तो वहीं दूसरे ने लिखा है कि वॉर्डरोब मैलफंक्शन है या ड्रेस का फिट इतना खराब था कि ड्रेस ही फट गई.

कॉन्फिडेंस की तारीफ

हालांकि, अगर केवल लुक की बाच करें, तो एक्ट्रेस ब्लैक कलर की इस ड्रेस में काफी एलिगेंट लग रही हैं. फटी ड्रेस में पोज देने के लिए कुछ लोगों ने उनके कॉन्फिडेंस की भी तारीफ की है.हालांकि, उर्वशी ऐसे विवादित बयान देती हैं, कि लोग इसे पब्लिसिटी स्टंट कह रहे हैं. ड्रेस की बात करें, तो एक्ट्रेस के ब्लैक गाउन को फेमस डिजाइनर नाजा सादे ने बनाया है. एक्ट्रेस ने इस ड्रेस में फोटो भी शेयर किया है.

माधुरी के साथ जब ऋषि कपूर को पहनना पड़ा था बुर्का, एक गलती से पड़ गए लेने के देने

हिंदी सिनेमा में बड़े पर्दे पर कई जोड़ियों ने दर्शकों का दिल हर बार जीता. 90 के दशक में ऋषि कपूर और माधुरी दीक्षित की जोड़ी भी काफी पॉपुलर थी. माधुरी और ऋषि ने साथ में स्क्रीन शेयर किया और दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया था. साथ काम करने के दौरान माधुरी और ऋषि का एक दूसरे के साथ अच्छा बॉन्ड बन गया था. एक बार तो जब दोनों हैदराबाद किसी फिल्म की शूटिंग के लिए जा रहे थे तो फैंस से बचने के लिए माधुरी के साथ ही ऋषि कपूर ने भी बुर्का पहन लिया था. लेकिन ये दांव दोनों कलाकारों पर उल्टा पड़ गया था और पुणे रेलवे स्टेशन पर दोनों पकड़े गए थे.

ऋषि ने शेयर किया था किस्सा

ऋषि कपूर ने साल 2018 में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ये किस्सा खुद शेयर किया था. पहले उन्हें माधुरी दीक्षित ने बर्थडे विश किया था. जिस पर ऋषि ने जवाब देते हुए मजेदार किस्सा सुना दिया था. माधुरी ने ऋषि को विश करते हुए लिखा था, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. आपका दिन अच्छा हो और आने वाला साल भी.

ऋषि कपूर ने माधुरी से मिली शुभकामनाओं पर लिखा था, धन्यवाद माधुरी. मुझे एक मजेदार घटना याद आ रही है हम दोनों ने हैदराबाद (याराना की शूटिंग) में 'बुर्का' पहना था (ताकि कोई हमें पहचान न सके) और भीड़ भरे पुणे स्टेशन पर मेरा 'बुर्का उतर गया. उसके बाद सफर नर्क जैसा हो गया. सीक्रेट रखने के लिए इतना कुछ करना पड़ा.

माधुरी-ऋषि ने इन फिल्मों में साथ किया काम

ऋषि कपूर ने साल 1973 में आई सुपरहिट फिल्म 'बॉबी' से अपने करियर की बतौर लीड एक्टर शुरुआत की थी. वहीं माधुरी ने हिंदी सिनेमा में अपना आगाज साल 1984 की फिल्म 'अबोध' से किया था.

माधुरी और ऋषि दोनों ही फिल्मी दुनिया में बड़ी और खास पहचान बनाने में कामयाब रहे. एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले दोनों दिग्गजों ने साथ में भी काम किया. ऋषि और माधुरी बड़े पर्दे पर 'साहिबान', 'याराना' और 'प्रेम ग्रंथ' जैसी फल्मों में नजर आए. बता दें कि ऋषि अब इस दुनिया में नहीं हैं. उनका साल 2020 में कैंसर से निधन हो गया था.

21 की उम्र में 2 बेटियों की मां बनीं रवीना टंडन को मिलते थे ताने, शादी से पहले पति के सामने रख दी थी ये शर्त

बॉलीवुड की मशहूर अदाकाराओं में शामिल रवीना टंडन ने अपनी फिल्मों के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ से भी सुर्खियां बटोरी. रवीना टंडन का अफेयर अजय देवगन और अक्षय कुमार जैसे एक्टर्स संग सुर्खियों में रहा. लेकिन किसी के साथ भी उनका रिश्ता टिक नहीं पाया. इसके बाद उन्होंने फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी से शादी की. हालांकि शादी से पहले रवीना ने अनिल के सामने एक शर्त रख दी थी. आइए जानते हैं कि आखिर किस शर्त पर एक्ट्रेस अनिल थडानी की दुल्हन बनी थीं ?

शादी से पहले ही बन गईं थीं दो बेटियों की मां

रवीना टंडन का जन्म दिवंगत प्रोड्यूसर रवि टंडन के घर 26 अक्टूबर 1972 को मुंबई में हुआ था. पिता के प्रोड्यूसर होने के चलते रवीना ने भी फिल्म इंडस्ट्री में ही करियर बनाया. उन्होंने अपनी शुरुआत फिल्म 'पत्थर के फूल' के जरिए की थी. वहीं करियर के शुरुआती दिनों में ही रवीना बिना शादी के दो बेटियों की मां बन गईं थीं. रवीना ने महज 21 साल की उम्र में दो बेटियों छाया और पूजा को गोद लिया था. इसके बाद अनिल थडानी से शादी रचाई थी, लेकिन साथ ही एक शर्त भी रख दी.

इस शर्त पर अनिल की दुल्हन बनी थीं रवीना

रवीना ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि शदी से पहले कम उम्र में ही मां बनने पर लोग उन्हें ताने सुनाते थे. एक्ट्रेस की शर्त थी कि जो भी उनकी लाइफ में आएगा और उनसे शादी करेगा उसे उनके साथ ही उनकी दोनों बेटियों को भी अपनाना होगा. उन्होंने कहा था मैं पैकेज के साथ आऊंगी. मेरे साथ मेरी बेटियों, डॉगी, मेरी फैमिली को भी एक्सेप्ट करना होगा. ये शर्त रवीना ने अनिल के सामने भी रखी थी, जिसे अनिल ने स्वीकार किया था. इसके बाद साल 2004 में अनिल और रवीना ने धूमधाम से शादी रचा ली. अब दोनों की शादी को 2 दशक से ज्यादा समय हो चुका है.

दो बच्चों के पैरेंट्स हैं अनिल-रवीना

अनिल थडानी और रवीना टंडन शादी के बाद दो बच्चो के पैरेंट्स बने. कपल का एक बेटा और एक बेटी हैं. बेटे का नाम रणबीर थडानी जबकि बेटी का नाम राशा थडानी हैं. राशा भी मां की राह पर चलते हुए एक्ट्रेस बन चुकी हैं. उन्होंने इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया है.

दुबई के होटल में

मोनालिसा

ने दिखाईं अदाएं, दिए एक से बढ़कर एक पोज, वीडियो दिल जीत लेगा

सोलो ट्रिप करने का क्रेज अब आम लोगों से सेलिब्रिटीज के अंदर भी आ गया है. इसलिए तो मोनालिसा बिना किसी दोस्त या अपने पति विक्रांत सिंह राजपूत के ही दुबई पहुंच गईं. वहां से मोनालिसा अपने पल-पल की अपडेट्स फैंस के लिए शेयर कर रही हैं और इस बार तो उन्होंने दुबई के होटल रूम से कुछ तस्वीरें और एक वीडियो शेयर किया है.लगभग 3 दिन पहले मोनालिसा दुबई आई हैं और उन्होंने घर से दुबई और दुबई से घर तक की चीजों को शेयर करने के बारे में अपने एक पोस्ट में बताया था. फिलहाल वो दुबई में ही हैं और अकेले ही होटल में एन्जॉय करने के पोस्ट फैंस के लिए शेयर किए हैं.

मोनालिसा ने दुबई के होटल रूम में किया डांस

मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो आज ही यानी 19 मई को शेयर किया. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, उफ्फ्फ्फ ये गाना.' इसके साथ उन्होंने 90'ह्य रील और लव दिस सॉन्ग हैशटैग लिखते हुए हार्ट इमोजी शेयर किया है.मोनालिसा ने इस वीडियो में जो गाना लगाया है वो 1995 में आई फिल्म टक्कर का है, जिसका नाम 'आंखों में बसे हो तुम' है. इस गाने को अलका यागनिक और अभिजीत भट्टाचार्य ने गाया था, जबकि इसे सुनील शेट्टी और सोनाली बेंद्रे पर फिल्माया गया था. मोनालिसा के इस वीडियो पर ज्यादातर फैंस ने हार्ट इमोजी शेयर किया है.

तस्वीरों में भी कमाल लग रही हैं मोनालिसा

इस वीडियो से पहले यानी 18 मई को मोनालिसा ने कुछ खूबसूरत तस्वीरें भी शेयरे की थीं, जो उनके होटल रूम की ही थीं. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, 'अगर किसेस स्टार्स होते, तो मैं तुम्हें आसमान दे देती.' इस पोस्ट के साथ भी उन्होंने हार्ट इमोजी शेयर की है.

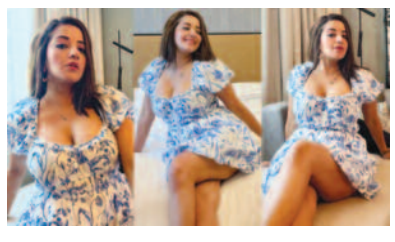

वीडियो और फोटोज में मोनालिसा ने एक ही वन पीस ड्रेस पहनी है जो व्हाइट और स्काई ब्लू कलर की है. इन तस्वीरों में मोनालिसा ने अलग-अलग पोज दिए हैं और इनमें मोनालिसा बेहद खूबसूरत लग रही हैं. इस पोस्ट के कमेंट बॉक्स में भोजपुरी सिनेमा के जाने-माने प्रोड्यूसर प्रशांत निशांत ने तीन हार्ट इमोजी कमेंट की है.

वहीं फॉलोवर्स भी इस तस्वीर को हार्ट इमोजी के साथ बता रहे हैं कि उन्हें मोनालिसा के पोस्ट पसंद आ रहे हैं.